WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

मीरजापुर ने मेरी प्यारी लड़की की छवि को तोड़ा श्वेता त्रिपाठी

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 299 | लखनऊ, सोमवार, 19 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने माना

कोरोना का कुछ हिस्सों में हुआ कम्युनिटी ट्रांसमिशन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने रविवार को स्वीकार किया कि देश के कुछ जिलों में सीमित संख्या में कोरोना वायरस का कम्युनिटी ट्रांसमिशन हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में कम्युनिटी ट्रांसमिशन नहीं हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने साप्ताहिक सोशल मीडिया कार्यक्रम संडे संवाद में यह बात कही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से दिए गए बयान जिसमें राज्य के कुछ क्षेत्रों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन शुरू होने की बात को स्वास्थ्य मंत्री ने भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह कुछ घनी आबादी वाले क्षेत्रों में होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों के कुछ क्षेत्रों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की सूचना मिली है लेकिन पूरे देश में ऐसा नहीं है। हालांकि केंद्र सरकार का भारत में कोरोना के सामुदायिक प्रसारण से अब तक इनकार किया है। इससे पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने जुलाई में ही अपने राज्य में सामुदायिक प्रसारण की पुष्टि की थी। केरल में पिछले दिनों कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि राज्य ओणम उत्सव के दौरान बरती गई लापरवाही की कीमत अदा कर रहा है। हर्षवर्धन ने कहा कि यह सभी राज्य सरकारों के लिए एक अच्छा सबक होना चाहिए जो त्योहारों की योजना को लेकर लापरवाही बरत रही हैं। केरल में शनिवार को संक्रमण के मामलों की संख्या 3.3 लाख हो गई, वहीं मृतक संख्या 1139 पर पहुंच गई। ओणम (22 अगस्त) से पहले राज्य में संक्रमण के करीब 54000 मामले थे, वहीं करीब 200 लोगों की मौत कोविड-19 की वजह से हुई थी। संडे संवाद के छठे एपिसोड में सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स से संवाद में हर्षवर्धन ने अपने इस अनुरोध को दोहराया कि कोविड-19 संक्रमण के जोखिम से बचने के लिए घर में ही परंपरागत तरीके से परिजनों के साथ उत्सव मनाएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि देश में मेडिकल ऑक्सीजन की कमी नहीं है और सरकार महामारी के कारण मांग में किसी भी बढ़ोतरी की भरपाई के लिए उत्पादन की क्षमता बढ़ाने को तैयार है।

मृतकों की संख्या फिर हुई एक हजार के पार

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या में एक पखवाड़े से लगातार कमी के बाद अब यह फिर से एक हजार से पार हो गयी है हालांकि इस बीमारी से मुक्त होने वालों की तादाद में निरंतर बढ़ोतरी के साथ सक्रिय मामलों में गिरावट का सिलसिला जारी है और इसकी दर 10.45 फीसदी पर आ गयी। अक्टूबर की शुरुआत में मृतकों की संख्या 1000 से अधिक रही लेकिन तीन अक्टूबर के बाद इसमें गिरावट आती गयी और 15 दिनों से इनकी संख्या औसतन 600 से 900 के बीच रही लेकिन रविवार को यह संख्या फिर एक हजार से ऊपर हो गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 1033 संक्रमितो की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1.14 लाख हो गयी। इसी अवधि में 72,614 लोगों ने कोरोना को मात दी है।

ब्रह्मोस को नौसेना के युद्धपोत से सफल परीक्षण

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का आज नौसेना के स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस चेन्नई से सफल परीक्षण किया गया। देश में ही बने स्टील्ड डेस्ट्रायर से दागी गयी मिसाइल ने उच्च-स्तरीय एवं अत्यधिक जटिल युक्तियों का प्रदर्शन करते हुए अरब सागर में लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा। प्रमुख मारक अस्त्र' के रूप में तैनात किये जाने के बाद ब्रह्मोस मिसाइल आईएनएस चेन्नई की समुद्र से सतह पर लंबी दूरी के लक्ष्यों को भेदने वाले युद्धपोत के रूप में विजय सुनिश्चित करेगा और यह डेस्ट्रॉयर नौसेना का एक और घातक प्लेटफार्म बनेगा। ब्रह्मोस को भारत और रूस ने संयुक्त रूप से डिजाइन,विकसित और निर्मित किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल प्रक्षेपण के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), ब्रह्मोस उपक्रम और भारतीय नौसेना को बधाई दी है। डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों तथा डीआरडीओ, ब्रह्मोस उपक्रम , नौसेना एवं उद्योग के कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइलें अनेक प्रकार से भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमताओं में वृद्धि करेंगी।

खराब की श्रेणी में दिल्ली की वायु गुणवत्ता

प्रदूषण में बढ़ रही पराली जलाने की हिस्सेदारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता ''खराब'' श्रेणी में दर्ज की गई और वातावरण में 'पीएम 2.5' कणों में पराली जलाने की हिस्सेदारी ''काफी अधिक'' बढ़ सकती है। एक केंद्रीय एजेंसी ने यह जानकारी दी। वातावरण में शनिवार को कुल 'पीएम 2.5' कणों में से 19 फीसदी पराली जलाने की वजह से आए थे जो पहले के मुकाबले बढ़ गए हैं। 'पीएम 2.5' के कुल कणों में से शुक्रवार को 18 फीसदी पराली जलाने के कारण आए जबकि बुधवार को करीब एक फीसदी और मंगलवार, सोमवार तथा रविवार को करीब तीन फीसदी कण इस वजह से आए थे। शहर में सुबह साढ़े आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 275 दर्ज किया गया। शनिवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 287 दर्ज किया गया था। शुक्रवार को यह 239, बृहस्पतिवार को 315 दर्ज था जो इस वर्ष 12 फरवरी के बाद से सबसे ज्यादा खराब है। उस दिन एक्यूआई 320 था। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच को गंभीर माना जाता है। मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि दिन के वक्त उत्तरपश्चिमी हवाएं चल रही हैं और पराली जलाने से पैदा होने वाले प्रदूषक तत्वों को अपने साथ ला रही है। रात में हवा के स्थिर होने तथा तापमान घटने की वजह से प्रदूषक तत्व जमा हो जाते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 'वायु गुणवत्ता निगरानी एवं मौसम पूर्वानुमान तथा अनुसंधान प्रणाली' (सफर) के मुताबिक हरियाणा, पंजाब और नजदीकी सीमा पर स्थित क्षेत्रों में शनिवार को पराली जलाने की 882 घटनाएं हुईं।

विश्व में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 3.96 करोड़ के पार

वाशिंगटन/रियो डि जेनेरो/नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) से 3.96 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और इस महामारी से मरने वालों संख्या बढ़कर 11.09 लाख से अधिक हो गई है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व में कोरोना वायरस से अब तक 3.96 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 11.09 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। इस वैश्विक महामारी से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में संक्रमण से अब तक 2.19 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में इस समय कोरोना के कुल 7.83 लाख सक्रिय मामले हैं जबकि अब तक 65.97 लाख लोग इससे स्वस्थ हो चुके हैं। ब्राजील में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 52.24 लाख लाख से अधिक हो गयी है।

भाजपा विधायक का करीबी आरोपी धीरेंद्र घटना के तीसरे दिन लखनऊ से गिरफ्तार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया में हत्या के मामले में मुख्य आरोपी धीरेंद्र सिंह को एसटीएफ ने लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके साथ दो अन्य आरोपी भी पकड़े गए। कोर्ट में सरेंडर करने की सूचना के बाद सर्विलांस के जरिए धीरेंद्र के लखनऊ में होने की सूचना मिली थी। धीरेंद्र, बलिया विधायक सुरेंद्र सिंह का करीबी है। धीरेंद्र उर्फ डब्लू की तलाश में 12 टीमें लगी थीं। मऊ और आजमगढ़ की पुलिस को भी उसकी गिरफ्तारी में लगाया गया था। इस बीच चर्चा थी कि धीरेंद्र सोमवार को कोर्ट में सरेंडर कर सकता है। उसने शनिवार को कोर्ट में सरेंडर की अर्जी भी लगाई थी। पुलिस ने उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। अब तक धीरेंद्र के दो भाई देवेंद्र और नरेंद्र के साथ 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। योगी सरकार ने डीआईजी आजमगढ़ सुभाष चंद्र दुबे को बलिया में ही कैंप करने का निर्देश दिए थे। कहा गया है था कि जब तक मुख्य आरोपी धीरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक वे वहीं रहेंगे। आजमगढ़ मंडल के कमिश्नर विश्वास पंत भी बलिया में मौजूद हैं। बलिया में गोलीकांड का मामला अब जातिगत होता जा रहा है। भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह ने जहां इसे क्षत्रिय बनाम यादव का मुद्दा बना दिया है। धीरेंद्र और उसके परिवार के समर्थन में पूर्व सैनिकों का संगठन भी आ गया है। करणी सेना भी आज प्रदर्शन कर सकती है। दुर्जनपुर में 15 अक्टूबर को पंचायत भवन पर कोटे की दुकान को लेकर बैठक चल रही थी। एसडीएम बैरिया सुरेश पाल, सीओ चंद्रकेश सिंह, बीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह और रेवती थाने का पुलिसबल भी मौजूद थी। आरोप है कि इसी दौरान विवाद होने पर धीरेंद्र सिंह ने जयप्रकाश पाल की हत्या कर दी।

उज्जैन शराब कांड में एसपी को हटाया, सीएसपी निलंबित

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में जहरीली शराब से हुई 14 मौतों के मामले में राज्य सरकार ने उज्जैन के एसपी और एडिशनल एसपी दोनों को हटा दिया है। सीएसपी को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार द्वारा गठित जांच समिति के प्रमुख और अतिरिक्त प्रमुख सचिव गृह डॉ राजेश राजौरा ने 2 दिन की जांच के बाद रविवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जांच का सारा ब्यौरा दिया। इसके बाद दोनों अफसरों को सरकार ने हटाने का फैसला किया। उज्जैन के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह को हटाकर सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय पदस्थ किया गया है वहीं शहडोल के पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार शुक्ला को उज्जैन के नया पुलिस अधीक्षक बनाया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन में 3 दिन पूर्व जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक उज्जैन मनोज सिंह को हटाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री निवास पर आहूत बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए।

राजस्थान में फिर जोर पकड़ सकता है गुर्जर आंदोलन

किरोड़ी सिंह बैंसला ने सरकार को दी चेतावनी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर गुर्जर महापंचायत बुलाई गयी थी. महापंचायत में गुर्जरों को सबसे पिछड़े वर्ग (एमबीसी) के रूप में शामिल करने की मांग की गयी. गुर्जर नेता किरोड़ी सिंह बैंसला ने कहा कि मैं सरकार को चेतावनी दे रहा हूं. आज का आंदोलन आसान था, लेकिन स्थिति को देखते हुए, मैं सरकार को एक बार फिर से कुछ समय दे रहा हूं. हम 1 नवंबर को निर्णय लेंगे - हमारी मांगें पूरी होंगी या हम आंदोलन शुरू करेंगे,बैंसला ने कहा कि खेती बाड़ी के काम एवं त्योहारी सीजन को देखते हुए हमने एक नवंबर तक का समय रखा है. उन्होंने कहा कि सरकार को भी एक नवंबर तक का समय मिल गया है. उसके बाद भी अगर मांगों पर काम नहीं हुआ, तो समाज आकर पटरी पर बैठ जाएगा. सरकार की ओर से आला अधिकारियों की कर्नल बैंसला से बातचीत के बारे में उन्होंने कहा कि अधिकारी कोई ठोस प्रस्ताव लेकर नहीं आए, जबकि हम चाहते हैं कि हमारी मांगों पर काम हो,गौरतलब है कि गुर्जरों की इस महापंचायत को देखते हुए भरतपुर के बयाना में चौकसी बढ़ा दी गयी थी और आला अधिकारियों को सचेत रहने का निर्देश दिया गया था. जयपुर से आईएएस अधिकारी नीरज के पवन भी बैंसला से मिले थे और वार्ता की पेशकश की थी. कई इलाकों में इंटरनेट भी बंद कर दिया गया था, समिति की प्रमुख मांगों में आरक्षण को केंद्र की 9वीं अनुसूची में शामिल करवाना, बैकलॉग की भर्तियां निकालने और प्रक्रियाधीन भर्तियों में पूरे 5 फीसदी आरक्षण का लाभ दियाजाना शामिल है. जयपुर में भाजपा ने इस मामले में कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने मामले को उलझाया है और वह केवल गुर्जरों को आश्वासन देकर काम चला रही है।

चीन की खुलेआम धमकी

तो हम भारत में भड़काएंगे अलगाववादियों का विद्रोह

बीजिंग, एजेंसी। भारत के संग सीमा पर उलझा चीन अब देश के अंदर अलगाववादियों को भड़काने की धमकी दे रहा है। चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने भारत को ताइवान कार्ड खेलने से बचने की सलाह देते हुए कहा कि यदि भारत ने ताइवान की आजादी को समर्थन दिया तो चीन भी उसके कई राज्यों में अलगाववादियों को समर्थन दे सकता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि चीन लंबे समय से उत्तर पूर्व में अलगाववादी और उग्रवादी गुटों को हथियार और पैसा देता रहा है। दूसरी तरफ वह कश्मीर में भी पाकिस्तानी एजेंडे को सपोर्ट करता है। बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी में अकैडमी ऑफ रिजनल एंड ग्लोबल गवर्नेंस के सीनियर रिसर्च फेलो लॉन्ग शिंगचुन ने ग्लोबल टाइम्स में लिखे लेख में कहा है कि भारत में कई मीडिया आउटलेट्स ने ताइवान के नेशनल डे का विज्ञापन दिखाया और एक टीवी चैनल ने ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू का इंटरव्यू दिखाया, जिसने उन्हें ताइवान के अलगाववादी स्वर को मंच मिला।

इससे चीन में इस बात की चर्चा छिड़ गई है कि भारत के ताइवान कार्ड का जवाब किस तरह दिया जाए। लॉन्ग शिंगचुन ने आगे कहा कि भारत की ओर से वन चाइना को समर्थन देने और ताइवान की आजादी को समर्थन नहीं देने का ही नतीजा है कि चीन भारत में अलगाववादी ताकतों को समर्थन नहीं देता है। ताइवान और भारत के अलगाववादी एक ही कैटिगरी के हैं। यदि भारत ताइवान कार्ड खेलता है तो इसे बात से अवगत होना चाहिए कि चीन भी भारतीय अलगाववादी कार्ड खेल सकते हैं। चीन सरकार के मुखपत्र में छपे लेख में कहा गया है कि भारतीय सेना ने कहा है कि वे ढाई फ्रंट युद्ध की तैयारी कर रहे हैं। उनका इशारा पाकिस्तान, चीन और आंतरिक विद्रोह की ओर है। आंतरिक विद्रोह में अलगाववादी ताकतें और आतंकवादी शामिल हैं। लेख में कहा गया है, यदि भारत ताइवान की आजादी को समर्थन देता है, तो चीन भी नॉर्थ ईस्ट के राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, असम और नगालैंड में अलगाववादी ताकतों को सपोर्ट कर सकता है। चीन सिक्किम में विद्रोह को भी सपोर्ट कर सकता है। अखबार लिखता है कि कई राज्य देश की आजादी के बाद जुड़े हैं, लेकिन यहां के लोग खुद को भारतीय नहीं मानते हैं। वे अपना अलग देश चाहते हैं और इसके लिए लड़ रहे हैं। सबसे प्रमुख असम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट है। ये हथियारबंद अलगाववादी संगठन भारतीय सेना के अभियानों की वजह से कमजोर पड़ चुके हैं, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। बाहरी समर्थन के अभाव में उनके लिए आगे बढ़ना मुश्किल है, लेकिन अगर समर्थन होता है, तो यह विद्रोह शुरू करने के लिए सशक्त करेगा।

मोदी ने मार थोमा चर्च प्रमुख के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को केरल के पथानामथिट्टा के मशहूर मारथोमा चर्च के प्रमुख डॉ. जोसेफ मार थोमा मेट्रोपॉलिटन निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। वह 90 वर्ष के थे। उम्रदराज के बीमारी के कारण वह यहां एक स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती थे जहां आज करीब 2.30 बजे अंतिम सांस ली। श्री मोदी ने जोसेफ मारथोमा के निधन गहरा दुख व्यक्त करते हुए ट्वीट कर शोक संदेश में कहा कि डॉ. जोसेफ मार थोमा मेट्रोपॉलिटन एक धनी और उल्लेखनीय व्यक्तित्व के थे जिन्होंने ताउम्र मानवता की सेवा की और गरीबों और दलितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन और मेहनत से जुटे रहे। लोगों के मन में उनके प्रति अपार सहानुभूति, विनम्रता और श्रद्धा का भाव था । उनके नेक आदर्शों को हमेशा याद किया जाएगा। विनम्र श्रद्धांजलि प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कुछ माह पहले उन्हें उनके 90वें जन्मदिन समारोह पर संबोधन का अवसर मिला था । उन्होंने इस कार्यक्रम की एक वीडियो क्लिप भी अपनेट्विटर हैंडल.पर साझा की है। उसमें श्री डॉ. जोसेफ को लंबे जीवन और सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य की बधाई देते हुए उनके सव्वास्थ्य की कामना की थी। श्री मोदी ने कहा था कि डॉ. जोसेफ मार थोमा ने हमारे समाज और राष्ट्र की बेहतरी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वह विशेष रूप से गरीबी हटाने और महिला सशक्तीकरण को लेकर पूरे उत्साह से जुटे रहे।

नए कृषि कानूनों से देश के कृषि क्षेत्र में आएगी क्रांति, खुशहाल होगा किसान

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रविवार को कहा कि नए कृषि सुधार कानूनों से देश के कृषि क्षेत्र में नयी क्रांति आएगी और इससे किसान खुशहाल होगा। दिल्ली प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की समाधि, किसान घाट पर ऐतिहासिक कृषि सुधार कानूनों के समर्थन में आज आयोजित किसान खाट महापंचायत में दिल्ली के 365 गांवों के सैकड़ों किसानों को संबोधित करते हुए श्री बिधूड़ी ने कहा कि नए कृषि कानूनों से देश के किसानों की आय दोगुनी होगी, नई तकनीकों के प्रयोग से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी, कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और हमारे कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा जिससे हमारा विदेशी मुद्रा भंडार भरेगा। चाहे अनाज हो, दलहन हो या फिर तिलहन हो, हर मामले में देश आत्मनिर्भर बनेगा और किसान सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि इन कानूनों की बदौलत यह पहली बार होगा कि किसान की फसल का दाम उसे मात्र तीन दिन में मिलेगा। उसे फसल बेचने की आजादी होगी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी जारी रहेगा। किसान यदि किसी फर्म से समझौता करेगा, तो बुवाई से पहले ही फसल की कीमत तय हो जाएगी। यदि किसान समझौते को तोड़ता है तो उस पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा लेकिन यदि समझौता करने वाली फर्म समझौता तोड़ती है, तो उस पर जुर्माना जरूर लगेगा। बीज, खाद, नई तकनीक आदि सबकुछ फर्म को देना होगा और फसल के नुकसान का जोखिम भी उसे ही उठाना होगा। सबसे बड़ी बात यह भी तय कर दी गई है कि समझौता फसल का होगा, जमीन का नहीं।

अलगाववादी राजनीति का कारण है भ्रष्टाचार: मनोज सिन्हा

श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में अलगाववादी राजनीति के विरुद्ध एक अनूठी सोशल एंड डेवेलपमेंट इंजीनियरिंग वाली राजनीति से मुकाबला शुरू किया है और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा इसका ताना-बाना बहुत खामोशी और उतनी ही बारीकी से बिछा रहे हैं। इस ताने-बाने में सामाजिक आर्थिक विकास के साथ ही भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार शामिल है। करीब ढाई महीने पहले इस केन्द्र शासित प्रदेश की कमान संभालने वाले श्री सिन्हा ने अपनी राजनीतिक पहल का फोकस बनाया है कश्मीरी युवाओं को जिनके लिए जम्मू कश्मीर खास कर कश्मीर घाटी में खेलकूद का बेहतरीन और देश का सबसे उम्दा खेलों की ढांचागत सुविधाएं खड़ी की जा रही है। क्रिकेट, फुटबाल, हाकी, रग्बी के आउटडोर खेलों के साथ इनडोर गेम्स, वाटर स्पोर्ट्स, बर्फ में खेले जाने वाले विंटर गेम्स के क्षेत्र में जम्मू कश्मीर आने वाले दिनों में ना केवल देश बल्कि दुनिया का अहम केन्द्र होगा। केन्द्र शासित प्रदेश में तेजी से सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उपयोग करने में जम्मू कश्मीर पूरे देश में अव्वल है। कारगिल से लेह को जोड़ने वाली सड़क पर देश की सबसे लंबी 14 किलोमीटर की जोजीला सुरंग का निर्माण शुरू हो चुका है। बैक टू विलेज, तहसील दिवस और माई टाउन माई प्राइड यानी मेरा कस्बा मेरा गौरव अभियानों ने हर जिले में प्रशासन को सक्रिय किया है और लोगों में बेहतरीन जनजीवन की आस जगायी है। राजभवन ने जनशिकायत निवारण केन्द्र खोला है। प्रशासन के कार्यों में भ्रष्टाचार दूर करने के लिए हर स्तर पारदर्शिता एवं जवाबदेही तय की जा रही है। सेना द्वारा मुठभेड़ में मारे गये राजौरी के तीन युवकों के घर उपराज्यपाल का चार किलोमीटर पैदल चल कर जाना और न्याय का भरोसा दिलाना स्थानीय आबादी के टूटे मन पर मरहम जैसा रहा। श्री सिन्हा ने यूनीवार्ता से विशेष मुलाकात में कहा कि राजभवन के दरवाजे जनता के लिए खुले हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार के दो हेलीकॉप्टरों को आपात स्थिति में जनता की सेवा के लिए उपलब्ध कराने का फैसला लिया है।

थरूर ने पाकिस्तान के मंच से देश को दिखाया नीचा:भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के मंच से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के विवादित बयान की निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि है कि वह (थरूर) पाकिस्तान में देश को नीचा दिखाने और बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने रविवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि क्या कांग्रेस पाकिस्तान में चुनाव लड़ना चाहती है? उन्होंने कहा, शशि थरूर ने भारत का मजाक बनाया है और भारत को एक खराब परिदृश्य से दिखाने की कोशिश की है। श्री पात्रा ने कहा, थरूर ने लाहौर लिटरेचर फ़ेस्टिवल में वर्चुअल माध्यम से पाकिस्तान के मंच से कहा था कि भारत में मुसलमानों और उत्तर-पूर्व के लोगों के साथ भेदभाव होता है। उन्होंने कहा कि भारत में एक दूसरे से डर का माहौल है। चीनी जैसे दिखने वाले लोगों के साथ भेदभाव होता है। उन्होंने तबलीगी जमात का पक्ष लेते हुए कहा कि कोरोना के समय में मुसलमानों को परेशान किया गया। ऐसा बयान देकर उन्होंने भारत का अपमान किया है। श्री पात्रा ने कहा, कोई और देश भारत जैसा लोकतांत्रिक नहीं है। यहां सबके लिए चिंता की जाती है। थरूर ने पाकिस्तानी मीडिया से भारत की बुराई की। कल्पना नहीं की जा सकती कि हिंदुस्तान का एक सांसद ऐसा बयान भी दे सकता है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि थरूर कहते हैं पाकिस्तान के मंच से कि तबलीगी जमात को लेकर किस तरह का पक्षपात हिंदुस्तान की सरकार कर रही है और मुसलमानों के खिलाफ कट्टरता दिखा रही है। थरूर यह बात पाकिस्तान जाकर बोल रहे हैं।

कोविड-19 से 40 और मरीजों की मौत, संक्रमण के 2,880 नए केस

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 से 40 और लोगों की मौत हो गई तथा 2880 नए मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से रविवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कोविड-19 के 40 और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही राज्य में इस संक्रमण से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 6629 हो गई है। लखनऊ और गोरखपुर में सबसे ज्यादा पांच-पांच मरीजों की मौत हुई है। इसके अलावा सोनभद्र में तीन, प्रयागराज, मेरठ, मथुरा, बस्ती तथा चित्रकूट में दो-दो और कानपुर नगर, गाजियाबाद, वाराणसी, झांसी, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, देवरिया, मुजफ्फरनगर, जौनपुर, कुशीनगर, गाजीपुर, सीतापुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर, बिजनौर, जालौन तथा कानपुर देहात में कोविड-19 संक्रमित एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में 2880 नए मरीजों में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई है। लखनऊ में सबसे ज्यादा 317 नए मरीजों का पता लगा है। इसके अलावा गाजियाबाद में 189, गोरखपुर में 153, वाराणसी में 137, प्रयागराज में 127, मुरादाबाद में 122 तथा गौतम बुद्ध नगर में 107 नए मरीजों में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कोविड-19 के 3528 मरीज ठीक भी हुए हैं। राज्य में अब तक कुल 4,52,660 मरीज मिले हैं, जिनमें से 4,11,616 मरीज पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में इस वक्त 34,420 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कुल 1,62,471 नमूनों की जांच की गई। प्रदेश में अब तक 1,28,41,878 नमूने जांचे जा चुके हैं।

लखनऊ के तालकटोरा की हवा फिर बहुत खराब, गोमतीनगर की स्थिति ठीक

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में वायु प्रदूषण दुरुस्त रखने के उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। शहर की हवा 249 एक्यूआई के साथ खराब श्रेणी में है। वहीं, इंडस्ट्रियल एरिया तालकटोरा की हवा फिर बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच गई है। यहां का एक्यूआई शनिवार रात 320 था। लालबाग की हवा भी खराब की श्रेणी में पहुंच गई है। यहां का एक्यूआई 295 और अलीगंज का एक्यूआई 216 भी खराब श्रेणी में निकला। गोमतीनगर की स्थिति ठीक रही। वायु प्रदूषण की यह स्थिति कई दिन बाद हुई है। प्रशासन के विभागों को प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में निर्देश देने के बाद एक्यूआई कुछ सुधरा था।

हिन्दू महासभा कार्यालय में मना कमलेश तिवारी का बलिदान दिवस

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश ने आज यहां खुर्शेदबाग स्थित प्रान्तीय कार्यालय में हिन्दूवादी नेता कमलेश तिवारी के प्रथम बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि देते हुये एक बार फिर सीबीआई जांच की मांग उठायी। उल्लेखनीय बीते वर्ष इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हिन्दू महासभा के प्रदेष कार्यालय में घुसकर हत्या कर दी थी। आज मनाये गये पहले बलिदान दिवस पर हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने सीबीआई जांच की मांग उठाते हुये कहा कि इस मामले में भले ही आरोपियों को धरपकड़ की जा चुकी है, लेकिन तमाम ऐसे कई सवालों को पीछे छोड़ दिया गया है, जिसमें हिन्दूवादी नेता कमलेश तिवारी की हत्या में गहरी साजिश के राज छुपे हुये है, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। ऐसे में कमलेश तिवारी को वास्तविक न्याय तभी मिल पायेगा जब देश की सर्वोच्च जांच एजेन्सी सीबीआई से जांच कराकर इस मामले की वास्तविक सच्चाई सामने लाकर दोशियों को फांसी की सजा मिले। पार्टी का मानना है कि जिस तरह से कमलेश तिवारी की हत्या का अंजाम दिया गया है, उससे साफलगता है कि इसमें गहरी साजिश की बू अभी भी उठ रही है, और कई लोगों पर पुलिस के हाथ नहीं पहुंच सके है। राम तिवारी, विक्रम गुप्ता, प्रदेश मंत्री के0के0 तिवारी जिला प्रचार, मंत्री मुकेश मणि मिश्रा, अमित कश्यप ब्लॉक अध्यक्ष बख्शी का तालाब, बृजेश शुक्ला जिला अध्यक्ष लखनऊ, अजय त्रिपाठी तहसील अध्यक्ष बीकेटी दीपक गुप्ता विवेक शर्मा मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश, पंकज गुप्ता सहित काफी संख्या में हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं ने हिन्दूवादी नेता कमलेश तिवारी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा हिन्दुत्व के लिये किये गये कार्यों को याद किया।

निरंकारी श्रृधालुओं ने रक्तदान किया

लखनऊ, संवाददाता। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से सन्त निरंकारी चैरीटेबल फाउंडेशन द्वारा संसार में कोरोना जैसी विषम परिस्थिति में मानव मात्र को भलाई एवं भाईचारे की स्थापना के लिए सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए रक्त दान शिविरों की लड़ी मे एक रक्तदान शिविर रविवार 18 अक्टूबर 2020 को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक संत निरंकारी सतंसग भवन, 1-डी, सिंगार नगर (आलमबाग) में लगाया गया। इस शिविर का उद्घाटन रितेश टंडन, जोनल इंचार्ज, संत निरंकारी मिशन लखनऊ ने किया। इस शिविर में सभी निरंकारी सेवा दल के अनुयायियों द्वारा बड़े ही अनुशासन से रक्तदान किया गया तथा यह एक अद्भुत नजारा था, सभी ने सरकारी नियमो का पालन करते हुए सोशल डिस्टन्सिंग, मास्क,सेनेटिजेर आदि के सभी निर्देशों का पालन करते हुए रक्तदान कियाइस शिविर का आयोजन डॉ राजीव लोचन, निदेशक बलरामपुर अस्पताल एवं उनके डॉक्टर्स की टीम की देखरेख में हुआ। इस अवसर पे डॉ राजीव लोचन जी ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के दौरान संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के द्वारा कि गयी ये पहल सराहनीय है तथा सबके लिए प्रेरणादायी है।

प्रदेश में कई जिलों में आज बारिश होने के आसार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कई जिलों में शनिवार रात से मौसम ने करवट बदल ली है। सर्दी के मौसम का आगाज हो गया है। सुबह और रातें ठंडी होने लगी है। राजधानी लखनऊ और उसके आसकृपास के जिलों में मौसम विभाग का 18 अक्टूबर की रात और 19 अक्टूबर की सुबह भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 19 अक्टूबर की सुबह 2 बजे से बारिश होने के आसार लग रहे हैं। जिसके सुबह आठ बजे तक जारी रहने का पूर्वानुमान बताया जा रहा है। इस बारिश से यूपी के मौसम में भारी बदलाव आ जाएगा। तापमान में गिरावट के बाद ठंड बढ़ जाएगी। वैसे भी आईएमडी ने चेताया है कि इस साल यूपी में भारी ठंड और शीतलहर चलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव के क्षेत्र की वजह से दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। पर वहीं मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क बना रहेगा। इस वजह से उत्तर प्रदेश राज्य में मौसम में एकाएक बदलाव देखने को मिलेगा। राजधानी लखनऊ में सुबह के 11 बजे अधिकतम तापमान 36 डिग्री है और न्यूनतम तापमान 21 रहने की संभावना है। राजधानी लखनऊ के आस-पास जिलों में सुबह से बादलों की आवाजाही है। रात भर ठंड की वजह से लोगों ने पंखें का धीमा कर चादर ओढ़ी है।

नवरात्र के पहले दिन से ही शुरू हुई बाजारों में धनवर्षा 10 लाख रुपए में बिका नौलखा बीकानेरी हार

लखनऊ, एजेंसी। नवरात्र के पहले दिन से ही बाजारों में महालक्ष्मी की वर्षा शुरू हो गई। बाजारों में दोपहर 2:00 बजे तक भले ही सन्नाटा रहा, लेकिन इसके बाद खरीददार खूब उमड़े, जिसमें खासतौर से कपड़े और गहने के ग्राहक शामिल थे। एक शादी का परिवार 10 लाख रुपये कीमत का नौलखा बीकानेरी हार सेट खरीद कर ले गया। बाजार का नजारा कुछ ऐसा था कि जैसे लोगों में अब कोरोना का भय नहीं है। अधिकतर बड़े कपड़े और सराफा शोरूम में ग्राहकों को टेंपरेचर की जांच और सैनिटाइजर से हैंड वॉश कराने के बाद ही प्रवेश दिया गया। अमीनाबाद, आलमबाग, चौक, महानगर, भूतनाथ इंदिरानगर, पत्रकारपुरम और हजरतगंज बाजारों में दिनभर खरीदार उमड़ते रहे, लेकिन यहां के कई बाजारों में सोशल डिस्टेंसिंग की अनदेखी होती रही। भूतनाथ के कपड़ा कारोबारी उत्तम कपूर ने बताया कि नवरात्र के पहले दिन ग्राहकों की भीड़ देखकर अब उम्मीद हो गई है कुछ दिन बढ़िया कारोबार चलेगा। उन्होंने बताया की नवरात्र में जो भी खरीद-फरोख्त हो रही वह सब शादी ब्याह से ही संबंधित है। चौक के सर्राफा कारोबारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि दोपहर 3:00 बजे के बाद सर्राफा शोरूम की रौनक बढ़ी। उन्होंने 200 ग्राम सोने के सेट की बिक्री करके कारोबार की शुरुआत की, जिसमें बीकानेरी जड़ाऊ हार, कान के बुंदे और मंगबेदी शामिल थी। इस सेट की कीमत लगभग 10 लाख रुपये थी। लखनऊ सर्राफा एसोसिएशन के महामंत्री प्रदीप अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि नवरात्र के पहले दिन सर्राफा कारोबार आम दिनों के सापेक्ष बहुत बेहतर है। उन्होंने बताया पूरे लखनऊ के बाजारों का जायजा लेने के बाद उनको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही कि सर्राफा कारोबार पटरी पर लौट आया है।

भाजपा विधायक का करीबी आरोपी धीरेंद्र चौथे दिन लखनऊ से गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बलिया में दुर्जनपुर गांव में 3 दिन पहले हुई हत्या के मामले में भाजपा विधायक का करीबी मुख्य आरोपी धीरेंद्र सिंह को एसटीएफ ने लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ दो अन्य आरोपी भी पकड़े गए हैं। दरअसल, कोर्ट में सरेंडर करने की सूचना के बाद सर्विलांस के जरिए यह सूचना मिली कि मुख्य आरोपी धीरेंद्र प्रताप सिंह लखनऊ में है। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। हत्यारोपी धीरेंद्र उर्फडब्लू की तलाश में 12 टीमें लगी थीं। मऊ और आजमगढ़ की पुलिस को भी उसकी गिरफ्तारी में लगाया गया था। इस बीच चर्चा थी कि धीरेंद्र सिंह सोमवार को कोर्ट में सरेंडर कर सकता है। उसने शनिवार को सरेंडर की अर्जी कोर्ट में दाखिल कराई थी। मुख्य आरोपी पर पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था। अब तक धीरेंद्र के दो भाई देवेंद्र और नरेंद्र के साथ 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। योगी सरकार ने डीआईजी आजमगढ़ सुभाष चंद्र दुबे को बलिया में ही कैंप करने का निर्देश दिए थे। कहा गया है था कि जब तक मुख्य आरोपी धीरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक वे वहीं रहेंगे। आजमगढ़ मंडल के कमिश्नर विश्वास पंत भी बलिया में मौजूद हैं। बलिया में गोलीकांड का मामला अब जातिगत होता जा रहा है।

प्रियंका का योगी पर तंज, पूछा बेटी बचाओ या अपराधी बचाओ

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस पार्टी की महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने लखीमपुर खीरी जिले के एक थाने में भाजपा विधायक और उनके बेटे द्वारा आधी रात को कथित बवाल किए जाने को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। प्रियंका ने टिवटर पर मुख्यमंत्री से सवाल किया'' क्या यूपी के सीएम बताएंगे कि यह किस मिशन के तहत हो रहा है। बेटी बचाओ या अपराधी बचाओ। इसके साथ ही उन्होंने लखीमपुर खीरी जिले के एक थाने में भाजपा विधायक और उनके बेटे द्वारा 'बवाल' की खबर भी साझा की है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्र पर्व पर शनिवार को महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए अभियान मिशन शक्ति की शुरूआत की थी। प्रियंका के टवीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक ने कहा, उत्तर प्रदेश में अपनी सक्रियता बनाने के लिए प्रियंका गांधी राज्य की घटनाओं को लेकर सरकार पर हमलावर हैं, लेकिन जिस तरह से महिला सशक्तीकरण और राज्य में विकास की रूपरेखा और बेरोजगारों को रोजगार देने का काम हो रहा है, उस परउनकी नजर नहीं जाती है।

आज के अखबार की स्याही सूखती भी नहीं, कि सुबह एक और खबर बलात्कार की

लखनऊ, संवाददाता। इंडियन नेशनल लीग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी फहीम सिद्दीकी ने उत्तर प्रदेश में बढ़ते अपराध, अपमान और हत्या पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि 2013-14 में बड़े बड़े वादे करने वाली मौजूदा सरकार अपनी सभाओं और रैलियों में अपना गला फाड़ दिया था और घोषणा की थी कि लोगों ने दूसरों को साठ साल दिए हैं। मुझे केवल साठ महीने दें। जैसे ही मेरी सरकार बनेगी, किसान समृद्ध होगा, युवाओं को 20 मिलियन हर साल नौकरियां दी जाएंगी। पेट्रोल सस्ता होगा, महिलाएं अपने घरों से आजाद होकर निकल सकती हैं। भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। देश का विकास होगा इनमें से एक भी वादा पूरा नहीं किया गया। साथ ही उन्होंने श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश् का नारा भी दिया था, लेकिन उन्होंने यह नहीं कहा कि बेटियों को भाजपा से बचाना होगा। उत्तर प्रदेश एक अपराध वाला देश बन गया है। हर दिन अपहरण, अपमान और नृशंस हत्याएं हो रही हैं। 2012 में, केंद्र की राजधानी में एक भयानक घटना हुई, जिसने पूरे देश के लोग सड़कों पर आ गए। हालाँकि उससे भयानक घटना उत्तर प्रदेश के हाथों में हुई। उसके ताबूत में आग अभी तक शांत नहीं हुई थी कि कम उम्र की लड़कियों को बलरामपुर, लखीमपुर, इलाहाबाद, परताबगढ़ आदि में अपमानित करने की खबरें आती रहीं। लेकिन राजधानी लखनऊ से 18 किलोमीटर दूर बाराबंकी जिले में एक नाबालिग दलित लड़की के अपमान और हत्या ने भी मानवता को शर्मसार किया और श्रेष्ठता की रेखा को पार किया। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि जब डॉक्टरों के पैनल में महिला चिकित्सक ने शव परीक्षण के दौरान उसके छिपे हुए स्थान को देखा, तो वह चिल्ला उठी।

माह-ए-रबी उल अव्वल का शानदार इस्तिकबाल किया जाएः मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ, संवाददाता। माह-ए-रबी उल अव्वल वह मुबारक व पवित्र माह है जिसमें हजरत मुहम्मद साहब की पैदाइश हुई। आप (सल्ल0) की पालन पोषण ऐसे माहौल में हुई जहाँ तरह तरह की बुराईयाँ फैली हुई थीं। खुदा पाक ने अपने दीन के प्रचार व प्रसार के लिए आप (सल्ल0) को अपना आखिरी नबी बनाकर भेजा। आप (सल्ल0) पर आपनी आखिरी शरीअत नाजिल फरमाई। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह व काजी-ए-शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली नाजिम दारूल उलूम फरंगी महल लखनऊ ने किया। वह आज माह-ए-रबी उल अव्वल के इस्तिकबाल के सिलसिले में दारूल उलूम फरंगी महल में खिताब कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रसूल पाक सल्ल0 के सच्चे सहाबा रजि0 ने अपने चहीते रसूल पाक सल्ल0 की सीरत पर पूरी तरह अमल करके दुनिया के कोने कोने में इस्लाम को फैलाया।

फेस्टिवल एडवांस में 28 सौ देकर दस हजार वसूलीः परिषद

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने राज्य के 16 लाख कर्मचारियों को स्पेशल फेस्टिवल पैकेज के नाम पर एडवांस व्यवस्था को शुद्ध व्यापारिक और कमाऊ बताते हुए इसे कर्मचारियों को बरगलाने वाला बताया है। परिषद के अध्यक्ष इं.हरिकिशोर तिवारी और महामंत्री शिवबरन सिंह यादव के संयुक्त बयान में कहा कि कोरोना काल में योद्धा की तरह काम करने वाले कर्मचारियों से पहले ही कई तरह के भत्ते छीन चुकी सरकार ने वर्षों से कर्मचारियों को मिलने वाले बोनस से वंचित रखने के लिए ब्याज मुक्त कर्ज की टॉफी दी है। उनका कहना है कि सरकार भले ही यह दावा करे कि वह दस हजार एडवांस दे रही है, लेकिन शासनादेश इस बॉत के साफ संकेत दे रहा है कि इस दस हजार को लेते ही आपके पास से 7200 रूपये टैक्स के रूप में सरकार के पास पहुच जाएगा। यानि सरकार वैसे तो दस हजार रूपये एडवांस देकर वाहवाही लूटेगी और आपकों इसके लिए 7200 टैक्स के रूपये में देने होगे। श्री तिवारी और श्री यादव ने इसके पीछे तर्क दिया है कि दस हजार एडवांस लेने पर इसके लिए आप को अपने पास से तीस हजार रूपये मिलाकर वह खरीददारी करनी होगी जिस पर 12 प्रतिशत से अधिक जीएसटी लागू हो। यानि आप उस पैसे को तभी खर्च कर पाएगें जब आप चालीस हजार की खरीददारी करेगें यानि इससे सरकार एक तीर से दो निशाने साध रही है। इससे सरकार का यह फायदा होगा कि ध्वस्त हो चुके बाजार में खरीददारी बढ़ने से रौनक आएगी और सरकार की नकामी छूपेगी दूसरे सरकार दस हजार देकर 7200 रूपये टैक्स वसूलेगी और आपके पास बुरे वक्त के लिए बचा कर रखी धनराशि में से तीस हजार रूपये भी खर्च करा लेगी। परिषद के नेताओं ने दूसरा तर्क यह दिया है कि 10000 का रुपये प्रीपेड कार्ड मिलेगा जिससे दुकान से सामान 31 मार्च 2021 के पहले खरीदना होगा जिस पर 5 प्रतिशत से 28 प्रतिशत तक जीएसटीवसूल करेंगे। इसमें नकदी नहीं मिलेगी। ब्याज रहित लोन पर दस माह के ब्याज की लागत 500 होगी।

यूपी में पराली जलाने की समस्या एक तिहाई से भी कमः सूर्य प्रताप शाही

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दावा किया है कि राज्य सरकार की कोशिशों की वजह से प्रदेश में पराली जलाने की समस्या एक-तिहाई से भी कम हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेत से पराली निकालने में इस्तेमाल होने वाले यंत्रों पर 80ः अनुदान देने समेत इस समस्या को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उधर, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली इस गतिविधि को अंजाम देने को लेकर किसानों के खिलाफ मामले दर्ज होने से नाराज कृषक संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर इन मामलों को वापस नहीं लिया गया तो वे आंदोलन करेंगे। उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त रुख की वजह से पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफउत्तर प्रदेश सरकार सख्ती से पेश आ रही है। राज्य में विभिन्न जिलों में पराली जलाने पर किसानों के खिलाफमामले दर्ज किये गए हैं। राज्य के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को कहा कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये उच्चतम न्यायालय का स्पष्ट आदेश है। न्यायालय ने एक समिति बनाई है, जो हर 15 दिन में पराली जलाने के मामलों पर रिपोर्ट देगी। ऐसे में सरकार के पास पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई करनी ही होगी। उन्होंने कहा,'' सरकार पराली जलाने की घटनाएं रोकने के लिये लगातार प्रयास कर रही है। वह खेत से पराली निकालने के लिए इस्तेमाल होने वाले यंत्रों पर 80ः अनुदान दे रही है। कई किसान मिलकर एक यंत्र आराम से खरीद सकते हैं और अपनी-अपनी जरूरत के हिसाब से पराली का निस्तारण कर सकते हैं। शाही ने दावा किया कि सरकार की कोशिशों की वजह से प्रदेश में पराली जलाने की घटनाएं एक तिहाई से भी कम हो गई हैं। राज्य सरकार हाल के वर्षों में पराली जलाने की घटनाओं वाले 800 से ज्यादा गांवों को चिह्नित करके वहां महिला समूहों, किसान उत्पादक संगठनों, साधन सहकारी समितियों, केन यूनियन और साधन सहकारी समितियों के माध्यम से पांच लाख रुपये की मशीन की खरीद पर चार लाख रुपये का अनुदान दे रही है। किसान उत्पादक समूह पराली निकालने के उपकरण किसानों को किराए पर भी देंगे।

यूपी की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर आज फिर सड़क पर दिखाई देंगे सपाई

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर योगी सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे अपराध को लेकर कल (19.10.2020) समाजवादी पार्टी जिला अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञाप देंगी। पार्टी प्रवक्ता ने बताया प्रदेश में लूट, दुष्कर्म ,हत्या की घटनाएँ बढ़ रही है। योगी सरकार से प्रदेश की कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। जिसके विरोध में समाजवादी के कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के जिला अधिकारी को ज्ञापन दे कर राज्यपाल को अवगत कराएगें। उन्होंने बताया कि जिन जिलों में उप चुनाव होने रहे हैं उन जिलों को छोड़कर सभी जिलों में ज्ञाप दिया जाएगा। बता दें कि बलिया हत्या कांड में बीजेपी समर्थक का नाम आने पर योगी सरकार की खुब किरकिरी हुई थी। वहीं विपक्षी पार्टियाँ आरोपी को बचाने का भी आरोप लगा रही है।

भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री अपनी हवाई आदत से मजबूरः अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का कहना है कि भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री अपनी हवाई आदत से मजबूर है। उनकी सरकार का अब चौथा वर्ष चल रहा है। बड़ी-बड़ी घोषणाओं और आश्वासनों की आसममानी खेती में दिन बीत गए। फिलहाल वे समझते हैं कि जब बिना कोई काम किए इतना वक्त कट गया है तो चलते-चलते कुछ नहीं तो 'मंत्र' के सहारे राज्य की जनता को गुमराह किया जा सकता है। न रोजगार, न किसानों के साथ न्याय, न कानून व्यवस्था का राज, और नहीं विकास का बुनियादी ढांचा फिर भी आश्चर्य भाजपा सरकार चल रही है। तीन लाख रोजगार तीन वर्षों में कहां और कैसे उपलब्ध कराए गए हैं? कोरोना संक्रमण थम नहीं रहा है। राज्य की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि किसानों के लाभ की कई योजनाएं बंद हो रही है। गन्ना किसान को भुगतान नहीं करने वाले चीनी मिलों पर कार्यवाही के नाम पर चुप्पी क्यों? सड़कें गड्ढा मुक्त करने की तारीखे तो कई बार बदल चुकी हैं किन्तु अभी तक इस सड़कों में कुछ सुधार नहीं है। जहां सड़के बनती हैं वे भी कुछ दिनों बाद ही गड्ढो में तब्दील हो जाती है। राज्य में पूंजी निवेश का हल्ला मचा, हासिल कुछ नहीं हुआ। निवेशक सम्मेलन के नाम पर तामझाम, दावत, सत्कार में जितनी धनराशि फूंकी गई उतनी किसी उद्योग में नहीं लगी। राज्य विकास की दौड़ में लगातार पिछड़ता जा रहा है। शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्वाधिक गिरावट है। शिक्षा संस्थान छह महीनों से बंद हैं। आन लाइन पढ़ाई सिर्फ मजाक है। प्राथमिक और नर्सरी के बच्चों का कोई पुरसाहाल नहीं। अभिभावक अभी भी कोरोना से डरे सहमें हैं, अपने बच्चों को वे स्कूल नहीं भेजना चाहते हैं। अस्पतालों में दवाइयां नहीं मिलती है, डाक्टर नियमित ओपीड़ी में नही बैठते हैं। गर्भवती महिलाओं को समय से इलाज नहीं मिलता है। सरकार बताए कितने मेडिकल कालेज उसके कार्यकाल में तैयार हुए हैं? कोरोना संकट काल में जो प्रवासी श्रमिक आए उनके लिए जो भी वादे किए गए, एक भी जमीन पर नहीं उतारे गए हैं। मजबूरन प्रवासी मजदूर दूसरे प्रदेशों में नौकरियां पाने के लिए फिर पलायन कर रहे हैं। सरकार के पास प्रवासी मजदूरों के सही आंकड़े भी नहीं है। फिर वह उनको कैसे राहत देंगे?कानून व्यवस्था के हालात बदतरी में है। झांसी में जनवरी से अब तक दुष्कर्म के 65 मामले सामने आए हैं। इनमें 40 नाबालिग दरिंदो की हवस का शिकार बनी। मेरठ में एक जूडो कराटे खिलाड़ी छात्रा दुष्कर्म की शिकार हुई।

सपा में विधानसभा चुनाव-2022 के लिए चुनाव की तैयारियां शुरू

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव-2022 के लिए चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। समाजवादी पार्टी द्वारा सन् 2022 के आम चुनाव हेतु सम्भावित प्रत्याशियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन 19 अक्टूबर 2020 से लिए जायेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 26 जनवरी 2021 है। आवेदन राज्य मुख्यालय, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में जमा होंगे। जहां विधानसभा उपचुनाव हो रहे हैं उन क्षेत्रों से तथा वर्तमान विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्याशियों के आवेदन नहीं लिए जाएंगे फिलहाल समाजवादी पार्टी का जोर ब्लाक और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूती देने पर है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और नेताओं को अभी से सघन जनसम्पर्क करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री आवास पर प्रार्थना पत्र देकर दुष्कर्म पीड़िता ने दी आत्मदाह की चेतावनी, पुलिस ने हिरासत में लिया

गोरखपुर / मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ के गोरखपुर स्थित आवास गोरखनाथ मंदिर में प्रार्थना पत्र देकर आत्मदाह की चेतावनी देने वाली दुष्कर्म पीड़िता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस मामले में डीआईजी ने तत्काल कार्रवाई का आदेश देते हुए देवरिया पुलिस को बुलाया और फिर महिला को सुपुर्द कर दिया गया है। वहीं यह अफवाह भी उड़ गई कि महिला ने आत्मदाह की कोशिश की है जबकि पुलिस ने इस बात से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता एक प्रधान के घर में चौका बर्तन का काम करती थी। आरोप है कि छह सितंबर को जब वह काम करने के लिए गई तो प्रधान पति घर पर अकेले थे और

अवध नगरी जिला संवाददात

उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पुलिस ने 13 सितंबर को केस दर्ज कर लिया लेकिन अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। देवरिया पुलिस का कहना है कि मामला प्रधानी चुनाव में रंजिश में फंसाने का है इस वजह से जांच की जा रही है। इधर, रविवार को गोरखनाथ मंदिर पहुंची महिला ने प्रार्थना पत्र देकर चेतावनी दी कि वह आत्मदाह कर लेगी। प्रार्थना पत्र देखते ही अफसरों में हड़कंप मच गया और तत्काल महिला को हिरासत में ले लिया गया। एसपी सिटी डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया कि पीड़िता देवरिया से आई थी और उसने प्रार्थना पत्र देकर आत्मदाह करने की चेतावनी दी। एहतियातन पुलिस ने उसे पकड़कर देवरिया पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। आत्मदाह की कोशिश जैसा कोई मामला नहीं है।

पिकअप के चपेट में आने से दम्पत्ति घायल इलाज के दौरान महिला की मौत

गोरखपुर/पिपराइच थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव के समीप पिकअप के चपेट में आने से बाईक सवार दम्पति घायल हो गये।घटना के बाद पिचअप चालक मौके पर वाहन छोड़कर कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस पिकअप को कब्जे में लेकर थाने ले गई। घायलों को इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कालेज भिजवाया गया। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर एक के भण्डारो टोला निवासी कुन्ती पत्नी राजेश निषाद 36 वर्ष, अपने पति के साथ पिपराइच थाना क्षेत्र के रेतवहियां गांव में बहन के घर गयी थी। शनिवार की शाम करीब 5 बजे पति के साथ बाईक पर ससुराल लौट रही थी। दम्पति अभी पकड़ी गांव स्थित नहर पुलिया के पास पहुंचे ही थे कि विपरित दिशा से आर ही तेज रफ्तार की पिकअप के चपेट में आकर गम्भीर रुप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों के मदद से घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कालेज भेजा गया। जहां इलाक के दौरान रविवार के भोर में कुन्ती देबी की मौत हो गया।

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के स्वास्थ्य लाभ हेतु सपाइयों के किये विविध धार्मिक आयोजन

अयोध्या । श्री राम नगरी अयोध्या में रविवार को समाजवादी पार्टी के संस्थापक माननीय नेता मुलायम सिंह यादव जी के अस्वस्थ होने के कारण आज मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष शोएब खान के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी, अयोध्या (फैजाबाद) के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड के आवास पर मौलानाओं के साथ मिलकर नेता जी के अतिशीघ्र स्वस्थ होने तथा दीर्घायु होने के लिए दुआ की।

इसके बाद सरयू नदी तट पर हवन, पूजन तथा गुरू द्वारे में जाकर माननीय नेता जी के उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु के लिए अरदास (प्रार्थना) किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य इन्द्रपाल यादव, पूर्व प्रदेश सचिव विजय बहादुर वर्मा, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के

जिलाध्यक्ष त्रिभुवन प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाल, छात्र नेता संदीप यादव, छात्र नेता मोहित यादव, अनुभव रावत, राम प्रवेश यादव, शिवपाल, मुकेश कुमार, सतेन्द्र यादव (आशु), अभय यादव, अमन सागर, आलोक यादव, देवा श्रीवास्तव, शंकर दीक्षित, अखिलेश यादव शैलेष पाण्डेय, अंगद यादव, शाहरूख पठान, मोहम्मद इमरान, जुनैद खान, राहिल खान आदि लोगों ने माननीय नेता जी के उत्तम स्वास्थ्य के लिए कामना किया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

नारी सुरक्षा, सम्मान,व सशक्तिकरण के लिए 25 अक्टूबर तक चलेगा अभियानः मंडलायुक्त

बस्ती। मंडलायुक्त अनिल कुमार सागर, जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन तथा सीडीओ सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट परिसर से मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त ने कहा कि नारी सुरक्षा, सम्मान, एवं उनके सशक्तिकरण के लिए आगामी 25 अक्टूबर तक यह अभियान संचालित किया जाएगा। महिला सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विभाग विशेष रुप से पुलिस, महिला एवं बाल विकास, महिला कल्याण, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना, पशुपालन, कृषि,श्रम आदि विभाग महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए कार्यक्रमों का संचालन करेंगे।

उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा अभियान का संचालन वर्ष 2021 में चैत्र राम नवमी तक प्रत्येक माह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन महिला स्वयं सहायता समूह को भी जोड़ा जाएगा तथा उनके उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार, सीडीपीओ तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहे।

योगी सरकार के शक्ति अभियान के माध्यम से मातृशक्ति को आत्म सुरक्षा के लिए किया जाएगा जागृतः मोनी पांडे

भाजपा महिला मोर्चा सिद्धार्थनगर जिला अध्यक्ष कुमारी मोनी पांडे ने योगी सरकार की योजना का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री को दी बधाई

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा सिद्धार्थनगर की जिला अध्यक्ष कुमारी मोनी पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश की महिलाओं की एक सुरक्षा हेतु प्रदेश स्तर पर सभी जिला एवं ब्लॉक स्तर पर महिलाओं व बच्चियों के सम्मान के लिए मिशन शक्ति अभियान की शुरुआत कर प्रदेश की बहनों में जो भय का वातावरण व्याप्त था उन्हें उस से बाहर निकालने के लिए आत्म सुरक्षा के तहत 9 दिन तक तीन चरणों में अभियान चलाया जाएगा जिससे घर घर जाकर मातृशक्ति को सुरक्षा के लिए उनमें जागृति के साथ कार्य करने के लिए योगी सरकार प्रेरित करेगी जिसमें 9 विभागों के अलावा स्वयंसेवी संस्थाओं को भी शामिल किया गया है उनके कार्यकर्ता सर्व समाज की बहनों के घर-घर पहुंचकर योगी सरकार के अभियान में सम्मिलित होकर उनको आत्म सुरक्षा के लिए शपथ दिलाकर स्वयं नेतृत्व करने के लिए जागृत करेंगे उन्होंने कहा इस अभियान के तहत महाविद्यालय स्कूल कोचिंग सेंटर और मार्केट में खरीददार करने वाली महिलाओं और बच्चों पर पूर्ण रूप से निगरानी रखने के लिए भी मेला फोर्स का अलग से गठन किया गया है जो कि हर जगह महिलाओं की सुरक्षा पर अपने अपने कदम उठाते हुए कार्य करेंगी जिसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा महिला फोर्स को भी दुपहिया वाहन भी उपलब्ध कराया गया है जो संपूर्ण प्रदेश के हर जिला एवं ब्लॉक के गली और मोहल्ला बाजार स्कूल और कोचिंग सेंटर पर भी अपनी कड़ी नजर रखती रहेंगी महिलाओं छात्र-छात्राओं को भी पूर्ण रूप से सुरक्षा अभियान में अपनी अहम भूमिका निभाएंगी उन्होंने प्रदेश की समस्त सम्मानीय मात्री शक्ति से आवाहन किया है की योगी सरकार

द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से हम सब बहने अपनी सुरक्षा का संकल्प लेते हुए आगे बढ़े और भाजपा सरकार के अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेकर हम आस पड़ोस की बहनों को भी इस अभियान से जुड़कर अपनी सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कार्य करेंगे तो निश्चित ही हमें इस अभियान में सफलता प्राप्त होगी, आज का नेत्री कुमारी मोनी पांडे ने कहा योगी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा प्रदान करने हेतु बेटियों को पुलिस भर्ती में 20 20 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की इससे हमारी प्रदेश के ऊर्जावान बने पुलिस फोर्स में भर्ती होकर बहनों की सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका मैं अग्रणी रहेंगी जिससे हमारी बहनों को भी आगे बढ़ने का नेतृत्व प्रदान होगा भाजपा नेत्री पांडे ने कहा कि योगी सरकार ने जो निर्णय लिया है कि 9 दिन तक नवरात्रि महोत्सव में महिलाएं जो कि अपने घर और मंदिरों में अनेक कार्यक्रम आयोजित करती हैं उनकी भी सुरक्षा करना एक महत्वपूर्ण कदम है या अभियान 180 दिन तक चलाया जाएगा उन्होंने कहा महिलाओं की सुरक्षा प्रदान करने के लिए योगी सरकार ने महिलाओं के लिए महिला पुलिस ब्रिगेड भी बनाया है और भी हर जगह अपने दुपहिया वाहनों के साथ महिलाओं की सुरक्षा पर अपनी पैनी नजर रखेंगी।

महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष कुमारी मोनी पांडे ने कहा कि योगी सरकार के मिशन शक्ति सुरक्षा अभियान में कार्यकर्ता अपनी कमर कस कर महिलाओं को जागृत करेंगे और दिलाएंगे सुरक्षा का संकल्प भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष कुमारी मोनी पांडे ने कहा कि योगी सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन सुरक्षा अभियान के माध्यम से सिद्धार्थनगर जिले के सभी ब्लॉक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता अपनी पूर्ण रूप से कमर कस कर इस अभियान में शामिल होंगी और घर-घर जाकर बहनों को सुरक्षा का संकल्प दिलायेंगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर मची लूट

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी की कमाई का जरिया बन गई है। गांवों में योजना का लाभ देने के लिए प्रधान-सेक्रेटरी मनमानी तरीके से लाभार्थियों की सूची तैयार कर रहे हैं। मामले में अफसरों ने संजीदगी नहीं दिखाई तो पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से पूरी तरह से वंचित रह जाएंगे। जिले भर की 929 ग्राम सभाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने के लिए गरीबों की सूची तैयार कराई जा रही है। अफसरों के निर्देश पर ग्राम सभाओं में तैयार की जा रही सूची में मनमानी शुरू हो गई है। सूत्रों की माने तो ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी अपात्रों से सांठगांठ कर उनके नाम आवास योजना की सूची में डाल रहे हैं। पात्रों के पास धन न होने के कारण उनके नाम सूची में नहीं डाले जा रहे हैं। एक ऐसा ही मामला धोतियाहवा ग्राम सभा का है गांव के निवासी शिवकुमार सिंह पुत्र स्व शिवराज सिंह ने महराजगंज जिलाधिकारी डा. उज्जवल कुमार

विकास खंड अधिकारी लक्ष्मीपुर को लिखित शिकायतीय पत्र दे कर जांच की मांग किया है शिवकुमार सिंह ने शिकायतीय पत्र में लिखा है की धोतियाहवा ग्राम पंचायत प्रधान वासदेव और सेक्रेटरी आशीष सिंह ने प्रधान मंत्री आवास में 67 अपात्रो का नाम सूची में डाले है जिनमे से सूची में 3 पात्र है और 64 अपात्र है जिनके पास पक्का मकान व दो मंजिला मकान है और कुछ लोगो को इसके पहले भी आवास दिया गया है तब पर भी इन लोगो का नाम इस सूची में है आगे उन्होंने यह भी लिखा है की जिसके पास पल्ली एवं खपरैल व छप्पर में अपनी जीवन गुजार रहे है उन लोगो का नाम इस सूची में नहीं है जो बहुत ही गरीबी में जूझ रहे है

इन पात्रों के सूची से गायब किए गए नाम

लक्ष्मीपुर ब्लॉक के धोतियाहवा ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी ने जमकर मनमानी की है। जिन पात्रों के नाम प्रधानमंत्री आवास की सूची में पहले से था उन्हें काटकर बाहर कर दिया गया है।

शासन ने निर्धारित कर रखा है मानक

प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने के लिए केंद्र सरकार ने पात्रता का मानक निर्धारित कर रखा है। इसके अंतर्गत वह व्यक्ति आते हैं जिनके घर में छत नहीं है, खपरैल या पालीथिन डालकर रहने वाले और गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले शामिल हैं। पात्रता श्रेणी की जानकारी और मानक की सूची खंड विकास अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। इसके बावजूद ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी द्वारा की जा रही मनमानी किसी के गले के नीचे नहीं उतर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में मनमानी की शिकायत दिनांक 14/10/20 को धोतियाहवा निवासी शिवकुमार ने महराजगंज जिलाधिकारी और विकास खण्ड अधिकारी को दिया है शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी आवास पात्रता चयन में अपात्रों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

महराजगंज जिलाधिकारी डा. उज्वल कुमार ने मामले को संज्ञान में लेते हुए गांव की जांच के लिए आदेश दिया है जिसका जांच करने धोतियाहवा गांव में दिनांक 15/10/20 को पहुंचे शांत प्रकाश श्रीवास्तव जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी महाराजगंज ने जांच के दौरान देखा की गांव में आवास के कमी के साथ साथ नाली रोड और ग्राम पंचायत भवन के बाउंड्री के लिए पैसा जो आया था उसे भी ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी ने मिल कर गमन कर लिया है

शांत प्रकाश श्रीवास्तव जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने ग्राम प्रधान और सेक्रेटरी को कड़ी फटकार लगाया और रुके हुए विकास कार्यो को पूरा करने के लिए आदेश भी दिया है

शांत प्रकाश श्रीवास्तव जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने कहा की मानक के विपरीत एक भी लाभार्थी को आवास की रकम जारी प्रधान या सेक्रेटरी किया तो धनराशि वापस करने के साथ-साथ उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी।

तालाब में डूबने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत

महराजगंज। क्षेत्र नौतनवां के अड्डा बाजार भैसहिया गांव के निवासी बालगोपाल शनिवार शाम को सात बजे अपने घर से बाहर निकले और फिर वापस घर नही पहुँचे तो परिजनों ने उनकी खोज बीन शुरू कर दी लेकिन बाल गोपाल का कोई भी पता नहीं चला। रविवार के दिन सुबह को घर के दक्षिण दिशा में स्थित एक गहरे पोखरे में कुछ ग्रामीणों को एक शव तैरते हुए दिखाई दिया तो लोगों के होश उड़ गये शोर शराबा सुनकर वहाँ लोगों की काफी भीड़ जुट गई। जब पोखरे से शव को बाहर निकाला तो पता चला कि यह बाल गोपाल की लाश है जिसकी सूचना लोगो ने स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुँचे चौकी प्रभारी विकास यादव ने शव को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाई हेतु पीएम के लिए महराजगंज भेज दिया।

ड्यूटी जा रहे युवक को बाइक सवारों ने असलहे के बल पर लूटा

लव कुश 20 बीते शुक्रवार को इंडोली रायबरेली घर से ड्यूटी के लिए निकला था जैसे ही मंगलवार रात 8:00 बजे अमोल गांव पीजीआई के पास पहुंचा तभी हथेली में घात लगाए बाइक सवारों ने उसे पकड़ लिया और जबरन गाड़ी पर बैठा नहीं लगे लव कुश ने विरोध जताया तो असलहे के बल पर उसके जेब में रखे ?3000 और मोबाइल छीन लिया किसी तरह युवक ने गांव वालों को बताया और पुलिस को सूचना दी पुलिस ने तहरीर के बाद भी अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है स्पेक्टर पीजीआई ने बताया कि लव कुश अमोल गांव में किराए पर रहता है किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था जिसके चलते इसका मोबाइल उन युवकों ने छीन लिया था पुलिस ने मोबाइल को बरामद कर लिया गया है।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की बैठक सम्पन्न

संतकबीर नगर। रविवार को ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की बैठक संत कबीर नगर जिलाध्यक्ष डॉ कमला प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रेम त्रिपाठी ने कोरोना काल में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों द्वारा किए गए त्कृष्ट कार्यों के लिए उपस्थित रहे सभी कार्यकर्ताओं को सराहा और हार्दिक शुभकामनाएं भी दी,

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री त्रिपाठी ने कहा कि कोरोना काल में गरीब, एवं प्रवासी मजदूरों के लिए हमारे सभी ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वरदान साबित हो रहें थे महामारी के समय जब कोई भी गांव और गरीबों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने वाला नहीं था उस समय में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों ने डट कर मुकाबला किया और लोगों का सहयोग भी। श्री त्रिपाठी ने यह भी कहा कि कोरोना

एक वैश्विक महामारी है और जब तक इसका समुचित इलाज नहीं हो जाता तब तक सावधानी जरूरी है। संगठन विस्तार पर विशेष मंत्रणा करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ कमला प्रसाद चौधरी ने पूर्व में गठित कार्यकारिणी को भंग कर दिया तथा नई कार्यकारिणी में सदस्यों को गठित किया तथा नए पदाधिकारियों को शुभकामनाओं सहित जिम्मेदारी भी सौंपा।

डॉ कमला प्रसाद चौधरी जिलाध्यक्ष
डॉ बाबूलाल कन्नौजिया जिला उपाध्यक्ष।
डॉ उमाशंकर जिला कोषाध्यक्ष
डॉ मो सईद जिला महासचिव संत कबीर नगर
डॉ अरविंद कुमार को जिला प्रचार प्रसार मंत्री
डॉ संतोष कुमार को जिला महामंत्री एंव डॉ मो एम हासिम को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।
उपस्थित रहे सभी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया।
इस अवसर पर डॉ एस कुमार, जिला महामंत्री बस्ती, डॉ एस डी दूबे, डॉ रामसजीवन, डॉ जउव्वार अली, डॉ मो आलम सहित तमाम पदाधिकारी गंण उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री ने महिला प्रधानों एवं सभासदों से की वीडियो कॉफ्रेसिंग

संतकबीर नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत सूबे के महिला ग्राम प्रधानों एवं सभासदों से वीडियो कॉफ्रेसिंग एवं जूम वेविनार के माध्यम से वर्चुअल संवाद किया तथा ग्राम पंचायतों में हुए विकास कार्यो, नारी सशक्तिकरण, सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलम्बन की दिशा में प्रतिनिधियों द्वारा किये गये कार्यो के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी।

उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत जागरूकता टीम का गठन किया गया है जो गॉवों में जा कर नारी के सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलम्बन के प्रति लोगों जागरूक करने का कार्य करेगें। नारी सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार विभिन्न योजनाएं यथा ''बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं'', कन्या सुमंगला योजना, मातृ वन्दन, उज्जवला योजना, आदि

सफलतापूर्वक संचालित कर रही है। जिससे महिलाओं में आत्म सम्मान सुरक्षा एवं स्वावलम्बन की भावना जागृत हो रही है। सरकार की ऐसी योजनाएं महिलाओं के प्रति भेदभाव को दूर किये जाने मे मील का पत्थर साबित हो रही है। जिसमें ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों के जन प्रतिनिधियों का विषेश योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि शासन योजना बनता है प्रशासन उसे अमल में लाता है किन्तु जनप्रतिनिधियों द्वारा जागरूकता के माध्यम से शासन की योजनाओं को सफल बनाया जा सकता हैं। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों से अपेक्षा भी की कि महिलाओं के सम्मान सुरक्षा स्वावलम्बन की साप्ताहिक समीक्षा की जाए। जनप्रतिनिधियों से संवाद के दौरान उन्होंने नारी सशक्तिकरण की दिशा में सरकार द्वारा चलाये जा रहें विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों यथा 190 वूमेन पावर, 181 घरेलु हिंसा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस, 108 एम्बुलेंस एवं 102 महिला एवं बच्चों के लिए एम्बुलेंस के बारे में जनप्रतिनिधियों को बताया। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधानो एवं जनप्रतिनिधियों को उक्त हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में जन सामान्य को समय-समय पर जागरूक करते रहना चाहिए। जिससे सरकार की योजनाओं का लाभ जनसामान्य को मिल सके।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में और जनसामान्य को और जागरूक किये जाने अपील की ग्राम पंचायतों में बालकों को भी महिला सशक्तिकरण सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति समय-समय पर बैठक आयोजित कर जागरूक किये जाने की अपील की तथा महिला सशक्तिकरण के संबंध में संचालित सरकार की विभिन्न योजनाओं को सही क्रियान्वयन किये जाने के संबंध सभी जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों एवं सभासदों से अपील की। इस वीडियो कॉफ्रेसिंग में मुख्य विकास अधिकारी अतुल मिश्र, जिला पंचायत राज अधिकारी उमा शंकर मिश्र, नगर पंचायत अध्यक्ष मगहर संगीता वर्मा तथा जनपद संत कबीर नगर के पचेठी ग्राम पंचायत की श्रीमती प्रिया पटेल, मदरहा की श्री मती बदामी, दरूआजसी माफी श्रीमती सुतित्रा देवी, दलेलगंज की श्रीमती पूनम चैधरी, बारीडीहा की श्रीमती मंजू चैरसिया, आदि ग्राम प्रधान एवं सभासद उपस्थित रही।

पाक में इमरान-बाजवा की उल्टी गिनती शुरू

पाकिस्तान में मुस्लिम लीग (नवाज), पाकिस्तान पीपुल्स पाटा, जमीयत-उलेमा-इस्लाम और वुछ दूसरी पार्टियां इस्लामाबाद में ऑल पाटा कान्फेस के लिए सितम्बर की 20 तारीख को जमा हो रही थीं, तो ज्यादातर पाकिस्तानियों की राय थी कि यह विपक्षी पार्टियों का फ्लॉप शो होगा। यह सभी विपक्षी पार्टियां इमरान खान की सरकार को बड़ी चुनौती देने का दावा तो करती हैं लेकिन वो एक साथ आने में और सरकार के खिलाफ एक साझा रणनीति बनाने में हमेशा नाकाम रही हैं। लेकिन आम लोगों की यह राय उस वक्त बदल गई जब पूर्व प्राधानमंत्री नवाज शरीफ ने लंदन से वीडियो कॉन्फेसिंग के जरिये इस कार्यक्रम में शानदार स्पीच दी जो कान्फ्रेंस का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया। याद होगा कि पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने नवाज को भ्रष्टाचार का दोषी करार देते हुए उनके जिदगीभर के लिए सियासत करने पर पाबंदी लगा दी है। इन दिनों नवाज लंदन में रह रहे हैं। पिछले साल (2019) नवम्बर में लंदन जाने से पहले वो जेल में थे और अभी भी वह जमानत पर ही लंदन में हैं। नवाज शरीफने अपनी स्पीच में कहा था कि मेरी लड़ाई इमरान खान से नहीं बल्कि उनसे है, जिन्होंने इमरान खान को कुर्सी पर बैठाया है। उन्होंने इशारों में पाकिस्तानी सेना पर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक मामलों में दखल देने का आरोप लगाया और कहा कि पाकिस्तान में स्टेट के ऊपर भी एक स्टेट है। यह दुख की बात है कि हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि स्टेट के ऊपर भी एक स्टेट है। यही समानांतर सरकार हमारी सारी बुराइयों और परेशानियों की जड़ है। इस सरकार को हटाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार को कठपुतली करार देते हुए कहा कि इमरान खान को सत्ता में लाने के लिए साल 2018 के चुनाव में धोखाधड़ी की गई थी। कांफ्रेंस में विपक्षी पार्टियों ने एक 26 बिंदु प्रस्ताव पारित किया जिसे संयुक्त प्रेस कान्फेंस में मौलाना फजलुर्रहमान ने पढ़ा। पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ उपजे जन आक्रोश को लेकर 11 विपक्षी दलों की बगावत इस बॉत का संकेत है कि पाकिस्तान में इमरान खॉन और बाजवा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। प्रस्ताव के अनुसार इमरान खान की सरकार को हटाने के लिए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रास्ताव लाने, उचित समय पर संसद और राज्य विधानसभाओं से सामूहिक इस्तीफे सहित संसद के अंदर और बाहर सभी विपक्षी पार्टियां एक साथ मिलकर राजनीतिक, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीकों को अपनाएंगी।

प्रास्ताव में सेना (इक्टैबलिगमेंट) के बढ़ते हस्तक्षेप पर गंभीर चिता जताई गई है और इसे देश के स्थायित्व और संस्थाओं के लिए खतरा बताया गया है। सेना के प्रावक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने भी सेना की आलोचना पर इशारों में ही जवाब दिया। उन्होंने एक न्यूज चैनल एआरवाई से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेता मोहम्मद जुबैर ने नवाज और उनकी बेटी मरियम नवाज के बारे में बातचीत करने के लिए सेना प्रमुख से खुफिया मीटिंग की है। यह मीटिंग अगस्त के आखिरी सप्ताह में हुई थी और सात सितम्बर को एक और मीटिंग हुई थी। इन मीटिंगों में आईएसआई प्रमुख भी मौजूद थे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नवाज शरीफ के कानूनी मामले देश की अदालतों के जरिये हल होंगे, उनके राजनीतिक मामलों का हल संसद तलाश करेगी और सेना को इन सब मामलों से अलग रखा जाए। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि खुफिया मुलाकातों को सार्वजनिक करके सेना यह संदेश देना चाहती है कि उन पर राजनीति में दखल देने के आरोप बेबुनियाद हैं क्योंकि राजनेता खुद अपनी सेना को राजनीति में घसीटते हैं। इमरान खान ने कहा था कि पूर्व प्राधानमंत्री नवाज शरीफ सेना पर राजनीति में दखल देने का आरोप लगाकर खतरनाक खेल खेल रहे हैं। नवाज अपनी बातें पैलाने के लिए भारत का सहारा भी ले रहे हैं। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेन्ट ने पजाब के गुजरावाला शहर में आए आक्रोशित जनसैलाब के बीच जो गर्जना की है वह वाकई पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खॉन और पाकिस्तान में सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के खिलाफ यह आक्रोष ठीक एक वर्ष पहले पाकिस्तान के उन सात कमान्डरों के आक्रोश से कई गुना अधिक है। ज्ञात हो कि पिछले साल ही पाकिस्तान के सेना प्रमुख को सुप्रीमकोर्ट के आदेश पर छह माह के सेवा विस्तार की जगह तीन साल का सेवा विस्तार दिये जाने से सेना में सेना प्रमुख और प्रधानमंत्री के खिलाफबगावत हो गई थी। अब जबकि विश्व पटल पर पाकिस्तान की गिरती शाख, कोरोना काल में उपजी भूखमरी बेकारी ने बेहाल जनता विपक्ष के साथ सड़क पर उतर चुकी है। सभा के दौरान जो भयावह स्थिति दिख रही थी उसे देखकर यही कहा जा सकता है कि पाकिस्तान सेना के पास अब कोई विकल्प नही बचा है। ऐसे में पाकिस्तान में सच्चे लोकतंत्र की वापसी ही एक विकल्प है। ऐसे में क्रिकेट स्टार की लोकप्रियता के सहारे मुखौटा प्रधानमंत्री बने इमरान खॉन की सत्ता समाप्ति का दौर शुरू गया है। सेना इस बॉत को लेकर भी चिन्तित है कि सन् 1971 में तो सेना ने विरोध को दबाने के लिए बंगालियों का नरसंहार किया था वैसे वह अब नही कर सकती इसके पीछे कारण यह कि फौज में पंजाबियों की संख्या काफी है और ऐसे में बगावत और विद्रोह का डर है। गुजरांवाला में इमरान खान आसैर कमर जावेद बाजवा के खिलाफ 96 किमी के विशाल जनसैलाब ने इन दोनों की जहॉ धड़कने तेज कर दी है वह विपक्षी की बॉछे खिला दी है। पाकिस्तान के इतिहास में यह पहला मौका होगा कि इतनी बड़ी संख्या में सड़क पर उतरी जनता एक साथ राष्ट्राध्यक्ष और सेना प्रमुख के खिलाफबागी हुई है। जनता की सेना प्रमुख को सीधी चेतावनी यह कि वह रक्षा डियुटी तक ही अपनी सीमा बनाए रखे। 73 सालों से सेना के अफसरों ने जो एक साथ अफसर और सत्ता का सुख लुटा है वह उसे छोड़ दे वरना अब पाकिस्तानको हिंसा की आग से बचाना मुश्किल होगा। याद ही होगा कि पाकिस्तानी सेना के अफसरों ने नरसंहार कर बंगाली मुसलमानों का बांग्लादेश बनाने पर मजबूर कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तानी सेना के निशाने पर बचे खुचे हिन्दु और सिख है। कराची और सिंघ प्रान्त से हजारों युवा लापता है।यही हाल बलूचिस्तान और पख्तून का है। दिसम्बर 2020 तक पाकिस्तान में बड़े बदलाव के संकेत है। फिर भी अब देखना यह है कि विपक्षी दलों को मिले इस व्यापक जनसमर्थन के बाद इमरान खॉन और कमर जावेद बाजवा चीन के इशारे पर कुर्सी छोड़ते है या फिर देश को खूनखराबे की आग में झोक देते है।

सम्पादकीय

मातृ शक्ति की आर्थिक कमजोरी

आज से नवरात्र प्रारंभ हो रहा है। नौ दिनों तक देवी के विभिन्न रूपों - शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा होगी। नौ देवियों के नामों के नौ अर्थ और इन नामों से जुड़ी देवियों के जीवन की कथाएं भी हैं। यदि हम देवियों का नौ रूप देखें और उनके अर्थों को समझें, तो ऐसा विदित होता है कि सभी रूपों में देवी सशक्त रही हैं। नारी के विषय में इस तरह का चिंतन, आदर्श और व्यवहार, किसी भी देश में किसी युग में नहीं रहा है। यह सत्य है, नारी के लिए भी उसकी आर्थिक शक्ति सर्वोपरि है। आर्थिक दृष्टि से सशक्त नारी अपने जीवन में अपने प्रकृति प्रदत्त और सामाजिक शिक्षा से प्राप्त सारे गुणों की अभिव्यक्ति और अभ्यास कर सकती है। हमारा इतिहास बताता है कि जो महिलाएं, जिस किसी क्षेत्र में प्रसिद्ध हुईं, उससे पहले वे आर्थिक रूप से सशक्त हुईं। ध्यान रहे, आज 'अंतरराष्ट्रीय गरीबी निवारण दिवस' भी है। नारी को देवी मानकर पूजने वाले समाज को भी सर्वप्रथम नारी की आर्थिक स्थिति पर विचार करना चाहिए। यह भी जान लेना चाहिए कि आज नारी शोषण की एक बड़ी वजह उनकी आर्थिक कमजोरी है। खूब मेहनत करने के बाद भी ज्यादातर महिलाएं अपनी मेहनत की मालिक नहीं हैं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हैं। आज आर्थिक स्थिति पर विचार करने पर हम पाते हैं कि महिलाएं आर्थिक आधार पर बंटे तीन सामाजिक स्तरों को जीते हुए अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास करती रही हैं। समृद्धि के शिखर पर बैठे उच्च वर्ग में महिलाओं को अपने आर्थिक स्वावलंबन की चिंता नहीं करनी पड़ती। वे तो स्वयं न जाने कितनी जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाती हैं और ऐसा हर सक्षम महिला को करना ही चाहिए। दूसरा है, मध्यम वर्ग। इस वर्ग में महिलाओं की संख्या अधिक है। स्वतंत्रता के बाद इस वर्ग में स्त्री शिक्षा का प्रसार हुआ है। शिक्षित होने के कारण अपनी योग्यता के आधार पर महिलाएं आज बड़े-छोटे कई क्षेत्रों में उच्च पदों पर भी आसीन दिखती हैं। शिक्षा, व्यापार, विज्ञान, कला-संगीत, सीने जगत इत्यादि ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं, जहां महिलाओं के पांव धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। वे अर्थार्जन भी करती हैं और घर-परिवार भी संभालती हैं। वर्ष 1981 में अखिल भारतीय महिला मोर्चा (भाजपा) की प्रधान होने के नाते मैंने सरकार के सामने दो मांगे रखी थीं। पहली, औरतों के लिए अधिक से अधिक आंशिक (पार्टटाइम) नौकरियों की व्यवस्था हो। दूसरी, काम घर लाने की सुविधा हो। उन दिनों भी पढ़ी-लिखी महिलाएं घर बैठती थीं, क्योंकि वे घर में बच्चों और बुजुर्गों को छोड़कर नौकरी को पूरा समय नहीं दे सकती थीं। पढ़-लिखकर सिर्फ घर के काम करने से उनके अंदर कुंठा पैदा होती रहती। उनसे पूछने पर कि 'आप क्या करती हैं?' थोड़ी झुंझलाहट से जवाब देती थीं, 'कुछ नहीं।' घर का सारा जंजाल भरा काम करने के बावजूद उनका वह जवाब एक अनकही पीड़ा में लिपटा रहता था। इसीलिए मैंने ये दोनों मांगें रखी थीं, ताकि महिलाएं अपने कार्य से आमदनी भी अर्जित कर सकें और घर का काम करके संतोष भी प्राप्त कर सकें। तीसरा वर्ग आर्थिक दृष्टि से अति पिछड़ा कहा जा सकता है या प्रतिदिन कुआं खोदने और पानी पीने वाला समाज। इस समाज की महिलाएं शुरू से खेती, उद्योग-धंधों, छोटी-मोटी दुकान लगा और साफ-सफाई जैसे कार्य करके धन उपार्जन करती थीं, जिससे उनके परिवार का भरण-पोषण ठीक तरह से हो। आज के समय में इन तीनों वर्गों में महिलाओं की स्थिति कमोबेश पूर्ववत ही है। मानना पड़ेगा, मध्यवर्ग और निम्न वर्ग की महिलाएं अपने काम और आमदनी से संतुष्ट नहीं हैं। आज तक समान काम के लिए समान वेतन के कानून का पालन नहीं हो पाया है। वे शरीर तोड़ काम करने के बावजूद उचित मूल्य (आमदनी) नहीं प्राप्त कर पाती हैं। आज की स्त्रियों के पास पारिवारिक, राजनीतिक और आर्थिक कानूनों का काफी ज्ञान है। ऐसे में, उचित अधिकार न मिलने पर वे दुःखी होती हैं। महिलाओं का आर्थिक विकास और स्वावलंबन केवल उनके हित में नहीं है, बल्कि यह उनके परिवारों में सुख-शांति लाने में कारगर होता है। उनकी मेहनत-कमाई को भी राष्ट्रीय आमदनी का भाग बनाकर, देश आर्थिक रूप से अपने स्वावलंबन की स्थिति की घोषणा कर सकता है। नीति आयोग के अनुसार, भारत की श्रम शक्ति में अभी महिलाओं का योगदान मात्र 27 प्रतिशत है, इसे विश्व के औसत 48 प्रतिशत पर लाना होगा। अगर ऐसा होता है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था में और 700 अरब डॉलर जुड़ जाएंगे। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महिलाओं का योगदान 20 प्रतिशत से भी कम है। मातृ शक्ति को सीधे अर्थव्यवस्था से जोड़े बिना भारत के विकास का सपना पूरा नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता की बात जोरों से उठाई है। राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में आधे की हिस्सेदार महिलाएं होंगी। महिलाओं को सुखी, परिवार को स्वस्थ और देश को विकसित बनाने के लिए हमें प्रयास करने पड़ेंगे। महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्थाई रूप से काम और रोजगार शुरू करने के लिए धन मिलना चाहिए। पूरे देश में महिलाओं की क्षमता का मूल्यांकन होना चाहिए। पिछले तीन दशकों में बने लाखों स्वयंसेवी समूहों में महिलाओं की ही उपस्थिति ज्यादा दिखती है। इस क्षेत्र की ओर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

ड्रग्स-शराब-नशा और सरकार का दोहरापन

फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की 14 जून 2020 को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई अफसोसनाक मौत के बाद एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करने,एक दूसरे को लांछित करने, मीडिया द्वारा इस मुद्दे पर नागिन डांस करते हुए खुद को मुंसिफ के रूप में पेश करने और इस विषय को झूठ-सच के घालमेल से अनावश्यक रूप से लंबे समय तक खींचने का कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा। सुशांत की मौत हत्या नहीं बल्कि आत्महत्या थीश, जाँच एजेंसियों के इस निष्कर्ष पर पहुँचने के बाद इसी विषय से जुड़ी इससे भी बड़ी बहस इस बात को लेकर छिड़ी कि क्या फिल्म जगत, ड्रग एडिक्ट्स या नशेड़ियों का अड्डा है? इस विषय पर होने वाली चीख-चिल्लाहट केवल मीडिया पर टी आर पी रेस के लिए होने वाली चटकारेदार बहस तक ही सीमित नहीं रही बल्कि यह विषय संसद में भी गूंजता सुनाई दिया। इसका कारण यह था कि अभिनेत्री कंगना रणौत ने अपने एक इंटरव्यू में फिल्मी पार्टियों में ड्रग्स के कथित इस्तेमाल को लेकर फिल्म उद्योग की तुलना गटर से कर डाली थी। कंगना ने अपने एक इंटरव्यू में 99 प्रतिशत बॉलिवुड स्टार्स के ड्रग्स सेवन में शामिल होने का दावा किया था। इसके जवाब में राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने कहा था कि, जिन लोगों ने फिल्म इंडस्ट्री से नाम कमाया, वे इसे शगटरश् बता रहे हैं? मैं इससे बिल्च्कुल सहमत नहीं हूं। मैं सरकार से अपील करती हूं कि वो ऐसे लोगों से कहे कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल न करें। यहां कुछ लोग हैं जो श्जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करते हैं। बहरहाल यह बहस इतनी आगे बढ़ी कि हेमामालिनी जैसे अन्य कई कलाकार फिल्म उद्योग के बचाव में सामने आए तो कई मशहूर निर्देशक,अभिनेता व अभिनेत्रियों पर ड्रग्स से जुड़े होने संबंधी शक अथवा जांच की सुई घूमी।कुल मिलाकर ड्रग्स व नशे की दुनिया से संबंधित यह बहस टी वी व मीडिया के माध्यम से इधर उधर जरूर घूमती रही परन्तु इस बहस में छुपी सच्चाई को उजागर करने का काम न तो किसी प्रोपेगैंडिस्ट मीडिया ने किया न ही स्वयं को सत्यवादी कहने वाले बहस के अनेक प्रतिभागियों ने। आइये ड्रग्स या नशे से जुड़े कुछ ऐसे ही अनछुए पहलुओं पर नजर डालते हैं वैसे तो ड्रग्स का शाब्दिक अर्थ दवा या औषधि ही होता है। पहले दवाइयों की दुकानों पर लगने वाले बोड्र्स पर लिखा होता था श्केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट। परन्तु धीरे धीरे ड्रग्स शब्द को नशे और नशेड़ियों से जोड़ दिया गया। समाज के ही न जाने किस तथाकथित अधिकृत वर्ग ने शराब का नशा करने वालों को तो नशेड़ी या ड्रग एडिक्ट्स की श्रेणी में नहीं रखा परन्तु गांजा, भांग, अफीम, चरस आदि का सेवन करने वालों पर नशेड़ियों का लेबल लगा दिया।गोया शराब पीने वाला शराबी नहीं कहलाता बल्कि वह शराब का शौक फरमाता है, परन्तु जो गांजा,भांग अफीम या चरस का सेवन करता है तो वह कानून की नजरों में अपराधी तो है ही साथ ही वह गंजेड़ी,भंगेड़ी,अफीमची या चरसी जैसी उपाधियों का भी हकदार है। जरा इन्हीं नीति निर्माताओं से पूछिए कि यदि शराब पीने में कोई बुराई नहीं या यह विश्व की सर्वमान्य मुख्यधारा से जुड़ा सोमरस है तो क्या वजह है कि इस मय मुबारक को गुजरात,बिहार, मिजोरम, नागालैंड,लक्षद्वीप तथा मणिपुर के कई क्षेत्रों में इसकी बिक्री,सेवन व व्यवसाय प्रतिबंधित है ? जाहिर है बिहार जैसे विशाल राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने के समय से लेकर अब तक इससे जुड़े जिस मुद्दे को सत्ता द्वारा अपने राजनैतिक लाभ के लिए उठाया जाता है वह यही है कि शराब लोगों को बर्बाद कर रही थी,लोगों के घर उजाड़ रही थी, लोगों के स्वास्थ्य तथा उनकी आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव डाल रही थी। गोया सरकार के अनुसार जनता के परिवार कल्याण व उनके उज्जवल भविष्य के मद्देनजर राज्य में शराब बंदी की गयी थी। जाहिर है शराब बंदी वाले अन्य राज्यों के भी निश्चित रूप से यही तर्क होंगे। अब इस सरकारी तर्क को स्वीकार करते हुए इन्हीं नीति निर्माताओं से पूछें कि क्या शराब बिक्री व उत्पादन वाले देश के अन्य राज्यों के लोगों के उज्जवल भविष्य या उनके परिवार के लोगों की तरक्की की चिंता उन राज्यों के नेताओं को नहीं ? लॉक डाउन के दौरान जब धर्म स्थलों से काफी पहले मदिरालय खोले गए और इनकी कीमतें बेरोजगार लोगों से कई गुना ज्यादा वसूल की गईं। यहाँ तक कि मदिरा प्रेमी लोगों की किलोमीटर लंबी लगी लाइनों को देश की गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने का सूचक बताया गया उस समय शराब बंदी वाले राज्यों के वह तर्क कहाँ चले गए जिनके आधार पर शराब बंदी की गयी थी ? गोया हमारे ही देश के किसी राज्य के कानून के मुताबिक एक राज्य का मदिरा सेवनकर्ता शराब का शौक फरमाने वाला तो बंदी वाले राज्य का सेवनकर्ता शराबी,नशेड़ी या ब्योड़े बाज?? यह तो जनता के साथ बड़ी नाइंसाफी है। एक देश एक कानून की बात करने वालों को तो कम से कम इधर जरूर नजर डालनी चाहिए ? प्रत्येक राज्य को राजस्व भी चाहिए और प्रत्येक राज्य का नेतृत्व अपने राज्यवासियों का हित चिंतक होने का भी दावा करता है?अब नजर डालते हैं गांजा भांग अफीम चरस जैसे उन नशा सामग्रियों पर जहाँ शराब की ही तरह सरकार व समाज दोनों का ही दोहरा मापदंड है। कई राज्यों में अफीम का उत्पादन वैध है तो कई राज्यों में भांग व अफीम के ठेके हैं। केवल देश के साधु संतों व फकीरों का एक बड़ा वर्ग ही इन चीजों का सेवन खुले आम नहीं करता बल्कि लगभग सभी प्रतिष्ठित वर्ग के अनेक लोग ऐसे कथित ड्रग्स का सेवन करते है। अनेक खिलाड़ियों के नाम भी सामने आ चुके हैं। क्या नेता तो क्या अभिनेता सभी क्षेत्रों के तमाम लोग इसका किसी न किसी रूप में प्रयोग करते हैं। परन्तु यह शौक सिर्फ इसीलिए छुपा कर किया जाता है क्योंकि सरकार ने इसके व्यवसाय,उत्पादन,बिक्री व सेवन को गैर कानूनी बना दिया है। ठीक उसी तरह जैसे आज बिहार व गुजरात जैसे राज्यों में शराब अगर मिलती भी है और पी भी जाती है तो उसी तरह चोरी छुपे जैसे कि चरस गांजा जैसे कथित ड्रग्स। यदि इतिहास के पन्ने पलट कर देखें तो किसी जमाने में यही व्यवसाय हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हुआ करते थे।परन्तु आज इनके विरुद्ध कानून बनने के चलते यह न केवल गैर कानूनी बन गए बल्कि समाज में भी इसका प्रयोग न करने वालों द्वारा इसे अस्वीकार्य किया जाने लगा। लिहाजा फिल्म जगत को बदनाम करने की साजिश वह भी उनके द्वारा जो स्वयं कभी इसका शौक फरमाते रहे हों,कतई मुनासिब नहीं। हर वर्ग में हर तरह के लोग हैं। हर एक के अपने अपने शौक भी हैं जो किसी के लिए भले ही व्यसन क्यों न हों परन्तु करने वाले के लिए उनके निजी शौक हैं। परन्तु इसके बावजूद यदि सरकार या समाज को इनमें केवल बुराई या नशा नजर आता है तो यदि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता तो कम से कम अपने ही देश में इसके लिए एक जैसे नियम तो बनने ही चाहिए? और उन्हें सख्ती से लागू भी करना चाहिए,चाहे वह शराब हो या कोई अन्य नशा संबंधी सामग्री,यदि समाज व जनहित में प्रतिबंधित करना ही है तो सभी नशीली वस्तुओं के उत्पादन,बिक्री व व्यवसाय को सामान रूप से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। ड्रग्स,शराब व नशे को लेकर समाज व सरकार का दोहरापन ठीक नहीं।

गृह मंत्रालय की इस गाइड लाइन का स्वागत

जब कभी कहीं भी कोई अपराध होता है तो निगाहें पुलिस की तरफ उठती हैं और इसके साथ ही अदालत की तरफ भी लोग रुख करने लगते हैं। हमारे यहां क्योंकि लोकतंत्र में हर किसी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है तो इसलिए गुनाह को लेकर कोई कुछ भी कहने लगता है। जब से राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा तो अखबारों की सुर्खियां ज्यादा ही चमकने लगती हैं और चौनल और भी ज्यादा घ्दलितचस्पी लेकर मामले को तूल देने लगते हैं। लेकिन अगर हाथरस में हुए कथित रूप से रेप कांड और बलरामपुर की घटना का उल्लेख करें तो बात सीबीआई तक जा पहुंची है और जांच चल रही है। अपराध हो जाने के बाद पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े होते रहते हैं। पीड़ित और आरोपियों के पक्ष में ग्रुप बनने लगते हैं, परन्तु राहत की बात यह है कि गृह मंत्रालय अब जिस व्यक्ति के पास है, उन गृहमंत्री अमित शाह को देखकर उम्मीद की जा सकती है कि इंसाफ जरूर होगा तभी तो गृहमंत्रालय ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पूरे देश के राज्यों को नई गाइडलाइन्स पिछले हफ्ते ही जारी की हैं, कि दो महीने में रेप से जुड़े या अन्य यौनशोषण के मामले में गम्भीर मामले हों तो उसकी जांच हो जानी चाहिए। हाथरस कांड से पहले हम उस निर्भय कांड की घटना का जिक्र करना चाहेंगे जब आधी रात को एक मैडिकल छात्रा से चार लोगों ने उसकी अस्मत से खिलवाड़ किया और उसकी मौत हो गई। हालांकि हाईकोर्ट ने फास्ट ट्रैक कोर्ट से मिली फांसी की सजा को बहाल रखा और यह अमित शाह जी की राजनीतिक इच्छा शक्तिघ् ही थी कि वह संविधान और कानून के दायरे में रहते हुए मामले की जानकारी प्राप्त करते रहे और आखिरकार गुनाहगारों को फांसी मिली। अगर राजनीतिक नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी जी जैसा मजबूत है तो भारतीय लोकतंत्र में इंसाफ की उम्मीद की जा सकती है। वह चाहे घ्दलित की बेटी हो या निर्भय रेप कांड के गुनाहगार हों या कोई भी अपराध हो, क्योंकि अब सरकार में ऊंचे पदों पर बैठे मंत्री कर्त्तव्यपरायण हैं इसीलिए अमित शाह जी द्वारा दो महीने में रेप की घटनाओं में राज्यों को जांच के निर्देश को लेकर एक उम्मीद जगी है। कहा भी गया है कि देरी से मिला इंसाफ किस काम का। हमारे यहां सच है कि न्यायिक प्रणाली की व्यवस्था बहुत व्यापक है, इसलिए किसी भी गुनाह का फैसला आते-आते वर्षों लग जाते हैं और तारीख पर घ्तारीख को लेकर लोग नई परम्पराओं की शुरूआत भी करते हैं, परन्तु यह भी सच है कि अब इंसाफ होने लगा है। हाथरस केस में सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंच चुका है और सीबीआई जांच कर रही है। घ्फिर भी गृहमंत्रालय बराबर सतर्क है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस कांड के बाद पहले सीएम जोगी से बात की और उन्हें कहा कि गुनाहगार बचने नहीं चाहिएं और दलित बेटी को इंसाफमिलना चाहिए। इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह जो कोरोना को परास्त कर चुके हैं और इसी मामले में डट गए तथा ऐसे में राज्यों को उनका यह ऐलान सचमुच लोगों के लिए सकून लाने वाला है। हमारा मानना है कि गृहमंत्रालय ने दो महीने में रेप की जांच से जुड़े आदेश को जारी करते समय सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को भी ध्यान में रखा जिसमें मृत्यु के समय दिए गए बयान को अहम माना गया है। इतना ही नहीं अमित शाह जी ने पुलिस को भी हिदायत दी है कि केस के गुनाह का पता चलने पर प्राथमिकी दर्ज करना जरूरी है और जीरो एफआईआर को भी महत्व दिया जाना चाहिए। हम महिलाओं के प्रति सशक्तिकरण के पक्षधर हैं और गुनाह की सूरत में न्याय की आवाज उठाते हैं, जो सही है। परन्तु साथ ही जरूरी बात यह है कि हमें पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जैसी मजबूत इच्छाशक्ति वाले महानुभावों पर भरोसा भी करना होगा जो भविष्य की व्यवस्था को एक उदाहरण बनाकर आगे बढ़ रहे हैं। जिन्होंने 3 तलाक पर बहुत सी महिलाओं का मान-सम्मान रखा, उनके हक की रक्षा की। असल में फिर घूम फिर कर बात वहीं पहुंच जाती है कि अब महिलाएं किसी से कम नहीं। सभी क्षेत्रों में सबसे आगे या बराबर की भागीदारी है। महिला सशक्तिकरण हो चुका है, परन्तु रेप, महिला को सैकेंड ग्रेड समझना, उसे तंग करना यह हमारे समाज की छोटी सोच रखने वालों की मानसिकता है, जिसे ठीक करना बहुत जरूरी है। जो घर से शुरू होकर समाज को ठीक करेगी। अक्सर घर के लोग, रिश्तेदार या जानने वाले ही रेप में शामिल होते हैं या महिला को तंग करते हैं। कोई भी महिला को तंग घर से ही किया जाता है। समाज की बारी बाद में आती है, इसलिए लोगों की सोच, मानसिकता को बदलना जरूरी है। पहले सख्त कानून बनेंगे तभी यह रुक सकेगा, थमेगा। क्योंकि भय बिन न होय प्रीत।

संवादहीनता का संकट

इसमें दो राय नहीं कि कृषि सुधारों को लागू करने से पहले किसानों को भरोसे में लेने तथा देशव्यापी विमर्श के लिये जो पहल केंद्र सरकार की तरफसे की जानी थी, वह नजर नहीं आयी। इसके बावजूद पंजाब के किसान संगठनों को दिल्ली आमंत्रित करना और उनसे वार्ता के दौरान किसी मंत्री का उपस्थित न होना, सरकार की संवेदनशीलता पर प्रश्नवाचक चिन्ह ही लगाता है। इसे अपनी उपेक्षा मानकर किसान प्रतिनिधियों का आक्रोशित होना स्वाभाविक ही था। उन्होंने वार्ता से बाहर आकर विरोध भी जताया और सुधार प्रारूप की प्रतियां स्वाह भी की। यही वजह है कि केंद्रीय कृषि सचिव और पंजाब के किसान संगठनों के प्रतिनिधियों की बातचीत अनुत्पादक ही रही। इस प्रकरण ने किसानों से संवाद की संभावनाओं को ही खत्म किया है। किसान प्रतिनिधि उम्मीद कर रहे थे कि कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर उनके गिले-शिकवे सुनेंगे और उनकी आशंकाओं को दूर करने का प्रयास करेंगे लेकिन विडंबना यही है कि इस बातचीत में केंद्र सरकार गंभीर नजर नहीं आई। केंद्र सरकार का यही रूखापन किसानों को आक्रोशित कर गया और उन्होंने हाल ही में लागू किये गये तीन कृषि सुधार कानूनों के खिलाफआंदोलन को तेज करने की चेतावनी दे डाली। किसान प्रतिनिधियों ने यह महसूस किया कि केंद्र सरकार उनकी चिंताओं के प्रति संवदेनहीनता दर्शा रही है। जाहिर-सी बात है कि जब कृषि मंत्रालय ने किसानों को बातचीत के लिये दिल्ली बुलाया था तो वहां कृषि मंत्री की मौजूदगी बनती थी। लेकिन विडंबना ही कही जायेगी कि ऐसा नहीं किया गया, जिससे किसानों का रोष बढ़ना स्वाभाविक ही है। इसके विपरीत पंजाब के किसान संगठनों के जरिये किसानों तक पहुंच बनाने के लिये केंद्र सरकार ने जो आठ आभासी रैलियां की थीं, उसकी जिम्मेदारी आठ केंद्रीय मंत्रियों को सौंपी गई थी, जिसमें केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी शामिल थे, जिन्होंने उस दिन संगरूर और बरनाला के किसानों के लिये ऑनलाइन बातचीत का आयोजन किया। उस दिन असंतुष्ट किसान संगठनों के प्रतिनिधि कृषि भवन में सचिव के साथ बैठक में शामिल नहीं हुए। निस्संदेह सरकार के कृषि सुधार कानूनों में सुधारों के खिलाफपंजाब में आक्रोश पूरे देश के मुकाबले ज्यादा है। वजह यह भी कि पंजाब व हरियाणा में मंडी व्यवस्था सुचारु रूप से स्थापित है और यहीं सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ किसानों को मिलता है। इसके बावजूद यह निर्विवाद सत्य है कि केंद्र सरकार नये कृषि सुधार कानूनों के संभावित लाभों के बारे में किसानों को समझाने में विफल रही है। हंगामेदार राजनीतिक विरोध के बीच जल्दबाजी में पारित बिलों को लेकर किसानों में सुधार की मंशा को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। यह नाराजगी देशव्यापी है, लेकिन जागरूकता और कृषि संस्कृति के सशक्त होने के कारण पंजाब में विरोध के सुर ज्यादा मुखर हैं। किसान संगठन सवाल उठा रहे हैं कि देशव्यापी लॉकडाउन के बीच कृषि सुधार अध्यादेशों का लाने का क्या उद्देश्य था। सरकार ऐसी हड़बड़ी में क्यों है। विभिन्न मंचों पर इसको लेकर व्यापक विचार-विमर्श की संभावनाओं को सिरे से क्यों खारिज किया गया है, जिसने किसानों में विपक्षी राजनीतिक दलों के विमर्श के अनुरूप शंकाओं को जन्म दिया। इसके बावजूद केंद्र सरकार की ओर से हितधारकों का विश्वास अर्जित करने के लिये गंभीर पहल होती नजर नहीं आ रही है। धीरे-धीरे किसान आंदोलन की दिशा में भटकाव भी आ सकता है। किसान संगठनों के लोग भाजपा नेताओं की घेराबंदी की बात कह रहे हैं। ऐसे में उनके समर्थन में खड़े सतारूढ़ दल के लिये पैदा होने वाली विषम परिस्थितियों से जूझना आसान नहीं होगा। कहने को तो सरकार कृषि को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताती है, लेकिन समस्या के समाधान में रचनात्मक भूमिका नहीं निभाती। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों की सक्रियता यह निष्कर्ष न दे कि विरोध के राजनीतिक निहितार्थ हैं। इससे किसान के वास्तविक लक्ष्यों को हासिल करने के मार्ग में दिक्कतें आ सकती हैं। यह वक्त किसान संगठनों को एक मंच पर आकर लक्ष्य के लिये एकजुट होने का है। अन्यथा कृषि सुधारों के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा।

डीविलियर्स आईपीएल के सबसे शानदार खिलाड़ी: विराट

दुबई, एजेंसी। मिस्टर 360 डिग्री के नाम से मशहूर एबी डीविलियर्स की तूफानी पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने डीविलियर्स की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि उनकी नजर में वह आईपीएल के सबसे शानदार खिलाड़ी हैं। बेंगलुरु ने राजस्थान के 178 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए डीविलियर्स की 22 गेंदों में एक चौके और छह छक्के की मदद से नाबाद 55 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत 19.4 ओवर में तीन विकेट पर 179 रन बनाकर सात विकेट से मैच जीत लिया। विराट ने कहा, टीम में सभी व्यक्तिगत रुप से अपना योगदान दे रहे हैं और हम टूर्नामेंट में लगातार ऐसा करने में सफल रहे हैं इसलिए हमारे 12 अंक हैं। मैं इस वक्त काफी खुश हूं और इसके बाद हमें तीन दिन का ब्रेक मिलेगा। ईमानदारी से कहूं तो लक्ष्य का पीछा करने में चिंता होती है क्योंकि आपको नहीं पता होता कि डीविलियर्स को कितनी गेंद खेलने के लिए मिलेगी। गुरकीरत सिंह मान को भी जीत का श्रेय जाता है जो डीविलियर्स के साथ डटे रहे और महत्वपूर्ण बाउंड्री लगायी। कप्तान ने कहा, इससे फर्क नहीं पड़ता कि सामने कौन सा गेंदबाज है, डीविलियर्स को जो करना है वो करेंगे। वह एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा परिस्थिति को देखते हुए अपने हिसाब से खेलने के लिए तैयार रहते हैं। मेरी नजर में वह आईपीएल के सबसे शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, जब वह क्रीज पर होते हैं तो विपक्षी टीम का मनोबल अपने आप ही कम हो जाता है और उन्हें अपनी जीत की उम्मीद कम लगने लगती है। यह डीविलियर्स के लिए काफी अच्छा है। उनकी वजह से टीम को लगता है कि हम कभी पिछड़ नहीं सकते। हमारी ओपनिंग जोड़ी की रणनीति के लिए हमारी स्थिति स्पष्ट है। विराट ने कहा, युवा देवदत्त पडिकल भी शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं और आरोन फिंच ने भी कुछ सधी हुई पारियां खेली हैं। हम परिस्थिति को देखते हुए अपनी रणनीति बनाते हैं। हमारी गेंदबाजी भी इस सत्र में बढ़िया रही है। हम दबाव में थे लेकिन खिलाड़ियों ने मजबूती से वापसी करायी। क्रिस

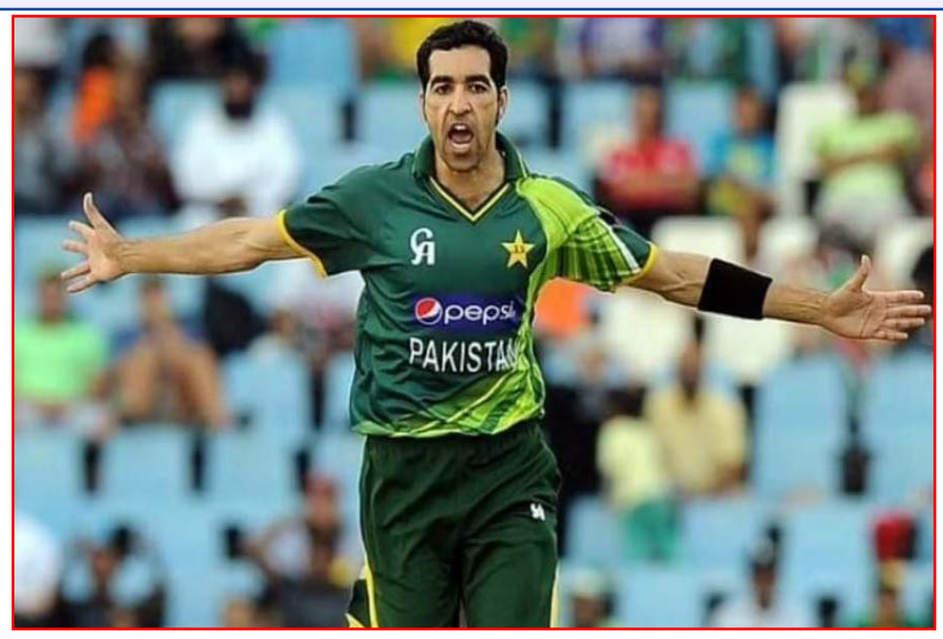

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज उमर गुल ने क्रिकेट के सभी प्रारुप से संन्यास लेने की घोषणा की। गुल ने उनकी घरेलू टीम बलूचिस्तान के सदर्न पंजाब के खिलाफ हारकर नेशनल टी-20 कप से बाहर होने के बाद क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। 36 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पाकिस्तान के लिए 47 टेस्ट, 130 वनडे और 60 टी-20 मैच खेले हैं। गुल ने कहा, मेरे लिए पिछले दो दशकों में अपने लब, शहर और देश का विभिन्न स्तर पर प्रतिनिधित्व करना समान की बात है। मैंने हमेशा क्रिकेट का आनंद उठाया, जिसने मुझे कड़ी मेहनत, समान, प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प की सीख दी। अपने करियर के दौरान मुझे कई लोगों से मिलने का मौका मिला, जिन्होंने मेरी मदद की और मेरा समर्थन किया। मैं उन सभी लोगों और अपने टीम के साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद देता हूं।

प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन कोचिंग कोर्स चलाएगा हॉकी इंडिया

दुबई एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह देश भर के प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन बेसिक कोचिंग कोर्स संचालित करेगा। यह पहला अवसर है जबकि हॉकी इंडिया ने इच्छुक प्रशिक्षकों को खुले मंच के जरिए आवेदन करने के लिए कहा है। इस ऑनलाइन कोर्स के लिए 60 स्थान ही उपलब्ध हैं। हॉकी की विज्ञप्ति के अनुसार, उम्मीद्वारों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक उम्मीद्वारों के लिए न्यूनतम योग्यता उनका जिला, स्कूल या विश्वविद्यालय स्तर की हॉकी टीम के साथ कोचिंग का कम से कम तीन साल का अनुभव या फिर राष्ट्रीय या अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर खेलने का कम से कम तीन साल का अनुभव है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस बेसिक कोचिंग कोर्स में उत्तीर्ण होने वाले उम्मीद्वार भविष्य में हॉकी इंडिया के लेवल एक कोचिंग कोर्स में हिस्सा लेने की अर्हता हासिल कर लेंगे। इस कोर्स का कोई शुल्क नहीं होगा लेकिन हॉकी इंडिया लेवल एक कोचिंग कोर्स करने वाले उम्मीद्वारों को ही आवश्यक प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

कोरोना पॉजिटिव होने के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो क्वारंटाइन पूरा करने इटली लौटे

ढ़ाका , एजेंसी। पुर्तगाल में कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जाने के बाद सुपर स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इटली वापस लौट आए हैं। यूवेंटस का यह फॉरवर्ड मेडिकल विमान पर लिस्बन से बुधवार को तुरिन पहुंचा जहां वह अपना पृथकवास पूरा करेंगे। यूवेंटस ने बयान में कहा, खिलाड़ी के आग्रह पर अधिकृत स्वास्थ्य अधिकारियों की स्वीकृति लेकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो मेडिकल विमान में इटली लौट आए हैं और अपने घर में पृथकवास पूरा करेंगे। पुर्तगाल ने एक दैनिक समाचार पत्र ने इससे पहले एक छोटे विमान की तस्वीर छापी थी और कहा था कि इसका इस्तेमाल रोनाल्डो ने किया था। सफेद, नीले और लाल रंग के इस विमान के इंजन पर एंबुलेंस लिखा था।पैंतीस साल के रोनाल्डो को सोमवार को कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए जाने के बाद पुर्तगाल की बाकी टीम से अलग कर दिया गया था। कहा जा रहा है कि उनमें कोई लक्षण नजर नहीं आ रहा और उनका स्वास्थ्य अच्छा है। रोनाल्डो को लिस्बन में स्वीडन के खिलाफ टीम के नेशन्स लीग मैच से दो दिन पहले पॉजिटिव पाया गया। मंगलवार को एक और परीक्षण में उनके पॉजिटिव पाए जाने की पुष्टि होने के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। वह रविवार को फ्रांस के खिलाफ नेशन्स लीग मैच में खेले थे।

दिल्ली ने दर्ज की चेन्नई के खिलाफ धमाकेदार जीत, धवन ने जड़ा शतक

नई दिल्ली| एजेंसी।

आईपीएल 2020 के 34वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हराया। दिल्ली की टीम ने इस सीजन में लगातार दूसरी बार चेन्नई की टीम को हार का स्वाद चखाया है। इससे पहले, टूर्नामेंट के 7वें मैच में दिल्ली ने सीएसके के खिलाफ 44 रनों से जीत दर्ज की थी दिल्ली की इस जीत के हीरो रहे टीम के अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन, जिन्होने अपने आईपीएल करियर का पहला शतक लगाया। चेन्नई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 179 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली की टीम ने धवन (नॉटआउट 101) और आखिरी ओवर में अक्षर पटेल (21) की मदद से इस लक्ष्य को 19.5 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शारजाह में खेले गए इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फेफ डुप्लेसी (58) और अंबाती रायुडू (45) की पारियों के दम 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 179 रन बनाए। आखिरी के ओवरों में टीम के लिए रविंद्र जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए महज 13 गेंदों में 33 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसके चलते सीएसके एक बड़े टोटल तक पहुंच सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम की शुरुआत खराब रही और टीम के ओपनर पृथ्वी शॉ (0) बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए, जबकि रहाणे (8) भी बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके। कप्तान श्रेयस अय्यर (23) के साथ मिलकर धवन ने तीसरे विकेट के लिए 68 रनों की पार्टनरशिप की, अय्यर ब्रावो का शिकार बने। टीम को इस मैच में जीत दर्ज करने के लिए आखिरी ओवर में 17 रनों की दरकार थी, लेकिन क्रीज पर मौजूद अक्षर पटेल ने ओवर में तीन छक्के जड़कर टीम को आसानी के साथ जीत दिला दी। इस जीत के साथ दिल्ली अब प्वॉइंट टेबल में भी टॉप पर पहुंच गई है।

पता था कि शिखर के अंत तक रहने से हम जीत सकते हैं: अय्यर

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच विजयी शतकीय पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की सराहना करते हुए दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि उन्हें पता था कि शिखर के अंत तक क्रीज पर रहने से टीम मुकाबला जीत सकती है। दिल्ली ने चेन्नई के 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शिखर के 58 गेंदों में 14 चौकों और एक छक्के से सजी नाबाद 101 रन की पारी की बदौलत पांच विकेट से मैच जीता। दिल्ली की ओर से अक्षर पटेल ने भी पांच गेंदों में नाबाद 21 रन की पारी खेली और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अय्यर ने कहा, मैं बैचेन था क्योंकि मैच अंतिम ओवर तक चला गया था। मुझे पता था कि अगर शिखर अंत कर डटे रहे तो हम मैच जीत जाएंगे। लेकिन अक्षर पटेल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया वो काफी शानदार था। जब भी हम ड्रेसिंग रुम में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते हैं तो वह वहां रहते हैं। उन्होंने कहा, अक्षर की तैयारी हमेशा सही रही है और उन्हें पता है कि वह क्या कर रहे हैं।

कोरोना से उबरकर ज्लाटन इब्राहिमोविच की शानदार वापसी, टीम के लिए किए दो गोल

दुबई एजेंसी। कोरोना वायरस से उबरने के बाद वापसी करते हुए स्टार फुटबॉलर ज्लाटन इब्राहिमोविच ने दो गोल दागे जिससे एसी मिलान ने सिरी ए के डर्बी मुकाबले में इंटर मिलान को 2-1 से हराया। वायरस से उबरने के बाद इसी हफ्ते ट्रेनिंग शुरू करने वाले स्वीडन के 39 साल के इब्राहिमोविच ने शनिवार को हुए इस मुकाबले में 13वें और 16वें मिनट में गोल दागे।इंटर मिलान के लिए एकमात्र गोल 29वें मिनट में रोमेलु लुकाकु ने किया। एसी मिलान की 2016 से सिरी ए के डर्बी मुकाबले में यह पहली जीत है। एसी मिलान की टीम इस जीत के साथ प्वॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंच गई है।

सार समाचार .....

डबास, निशांत और शिवांग के दम पर टेलीफंकन सेमीफाइनल में

नईदिल्ली, एजेंसी। यश डबास (58), निशांत ठाकुर ((3/28)) और शिवांग शर्मा (3/36) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टेलीफंकन क्लब (190/9) ने टीएनएम अकादमी (182/10)) को रोमांचक मुकाबले में शनिवार को आठ रनों से हरा कर टर्फ यूथ कप अंडर-17 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यश डबास को यस जी मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पूर्व टेस्ट खिलाड़ी अजय शर्मा ने प्रदान किया जबकि अशहर रिजवी को फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टेलीफंकन की टीम ने निर्धारित 40 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए जिसमें यश डबास (58), रोहन परचंदा (35) और मयंक (34) ने प्रमुख योगदान दिया। टीएनएम अकादमी के लिए असहर रिजवी (5/31) और ऋषभ राजपूत ने दो विकेट लिए। जबाब में टीएनएम अकादमी की टीम सिद्धार्थ कुमार (40) और सिद्धार्थ यादव (33) के बावजूद 40 ओवर में 9 विकेट 182 रन ही बना सकी। टेलीफंकन के लिए निशांत ठाकुर (3/28) और शिवांग शर्मा (3/36) सफल गेंदबाज रहे।

एलावेनिल और तुषार शेख अंतरराष्ट्रीय एयर राइफल चैलेंज में लेंगे हिस्सा

नईदिल्ली,, एजेंसी। भारत की युवा निशानेबाज एलावेनिल वलारीवान और शाहू तुषार माने रविवार को होने वाले शेख रसेल अंतरराष्ट्रीय एयर राइफल चैंपियनशिप 2020 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने इसकी घोषणा की। इस चैंपियनशिप का आयोजन बंगलादेश शूटिंग स्पोटर्स महासंघ (बीएसएसएफ) करेगा तथा इसका आयोजन रविवार को ऑनलाइन किया जाएगा। इसका आयोजन बंगलादेश की आजादी में अहम योगदान देने वाले शेख मुजीबुर रहमान के छोटे पुत्र और प्रधानमंत्री शेख हसीना के भाई शेख रसेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। महिला 10 मीटर एयर राइफल में विश्व की नंबर एक निशानेबाज एलावेनिल इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी। वह परीक्षा के कारण दिल्ली में हुए राष्ट्रीय शिविर में हिस्सा नहीं ले पा रही हैं लेकिन ऑनलाइन प्रतियोगिता के लिए वह उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय शिविर से पहले चरेंटीन में रह रहे ओलंपिक संभावित निशानेबाजों का चयन इस चैंपियनशिप के लिए नहीं किया गया है। इस साल 18 मार्च तक राष्ट्रीय रैंकिंग के हिसाब से तुषार का चयन किया गया है। चैंपियनशिप में बंगलादेश सहित कुल सात देश हिस्सा लेंगे। भाग लेने वाले प्रत्येक महासंघों में आईएसएसएफ जूरी सदस्य भी शामिल होंगे। इस चैंपियनशिप में जीतने वाले को आकर्षक पुरस्कार राशि दी जायेगी।

जीत के करीब पहुंकर हारने से निराश हूं: स्मिथ

दुबई, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्टीवन स्मिथ ने शनिवार को कहा कि वह जीत के इतने करीब पहुंचकर हारने से निराश हैं। राजस्थान ने स्मिथ के 57 रन की पारी की बदौलत 177 रन का स्कोर बनाया जिसके जवाब में बेंगलुरु की टीम ने एबी डीविलियर्स की ताबड़तोड़ 55 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत दो गेंद शेष रहते मैच जीता। राजस्थान के इस हार से नौ मैचों में तीन जीत, छह हार के साथ छह अंक हैं और वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। राजस्थान के लिए प्लेऑफ में पहुंचने की राह कठिन हो गयी है। स्मिथ ने कहा, टी-20 में किसी चीज की गारंटी नहीं होती और डीविलियर्स के क्रीज पर रहने से कुछ भी हो सकता है। यह दूसरा मुकाबला है जहां जीत के इतने करीब पहुंचकर हमें हार मिली है, मैं इस हार से निराश हूं। मेरा मानना है कि धीमे विकेट पर यह अच्छा स्कोर था। उन्होंने कहा, हमने बेंगलुरु पर दबाव बनाया था और उनके खिलाफ विशेष पारी खेली।

मिस्टर 360 डिग्री डिविलियर्स का विस्फोट, जीते विराट के चैलेंजर्स

दुबई | एजेंसी।

मिस्टर 360 डिग्री के नाम से मशहूर एबी डिविलियर्स की छह छक्कों से सजी नाबाद 55 रन की तूफानी पारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को शनिवार को सात विकेट से हराकर आईपीएल में नौ मैचों में छठी जीत हासिल कर ली। राजस्थान ने कप्तान स्टीवन स्मिथ (57) की शानदार अर्धशतकीय पारी से 20 ओवर में छह विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन डिविलियर्स के विस्फोटक छक्कों के सामने यह स्कोर बौना साबित हुआ। बेंगलुरु ने 19.4 में तीन विकेट पर 179 रन बनाकर जीत अपने नाम की। मैन ऑफ द मैच डिविलियर्स ने मात्र 22 गेंदों में एक चौका और छह छक्के उड़ाते हुए नाबाद 55 रन ठोके और अकेले अपने दम पर टीम को जीत दिला दी। डिविलियर्स ने विजयी छक्का मारकर मैच समाप्त किया। बेंगलुरु को आखिरी दो ओवरों में जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और डिविलियर्स के मैदान पर रहते टीम की उम्मीदें बनी हुई थीं। डिविलियर्स ने 19 वें ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट की पहली तीन गेंदों पर छक्के जड़ दिए। गुरकीरत सिंह ने पांचवीं गेंद पर चौका मारा। इस ओवर में 25 रन गए और बेंगलुरु के लिए अब लक्ष्य आसान हो गया। डिविलियर्स ने आखिरी ओवर में जोफ्रा आर्चर की चौथी गेंद पर लम्बा छक्का मारकर मैच निपटा दिया। डिविलियर्स ने छक्के के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया। डिविलियर्स ने इसके साथ ही 25 या उससे कम गेंदों में सर्वाधिक 12 अर्धशतक बनाने के हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। डिविलियर्स के साथ गुरकीरत 17 गेंदों में एक चौके की मदद से 19 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 77 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की। बेंगलुरु के लिए ओपनर देवदत्त पडिकल ने 37 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 35 रन, आरोन फिंच ने 11 गेंदों में दो छक्कों के सहारे 14 रन और कप्तान विराट कोहली ने 32 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 43 रन बनाये। विराट का विकेट 14वें ओवर में 102 के स्कोर पर गिरा लेकिन इसके बाद डिविलियर्स ने अकेले अपने दम पर मैच समाप्त कर ही दम लिया। इससे पूर्व राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मिथ के 36 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 57 रन की बदौलत बेंगलुरु को चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया लेकिन डिविलियर्स के छक्कों ने इस स्कोर को बौना बना दिया। राजस्थान को बेन स्टोक्स और रॉबिन उथप्पा ने अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हुई। स्टोक्स क्रिस मोरिस की गेंद पर एबी डीलियर्स को कैच थमा बैठे और 19 गेंदों में दो चौके के सहारे सिर्फ 15 रन ही बना सके। स्टोक्स के आउट होने के बाद उथप्पा भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने उन्हें आरोन फिंच के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। उथप्पा ने 22 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाए। पिछले कुछ मुकाबलों से विफल चल रहे संजू सैमसन का बल्ला इस मुकाबले में भी खामोश रहा और वह सिर्फ नौ रन ही बना सके। सैमसन ने छह गेंदों की अपनी पारी में एक छक्का लगाया। मजबूत शुरुआत के बाद राजस्थान की पारी बीच में लडखड़ा गयी लेकिन स्मिथ ने सधी हुई बल्लेबाजी कर टीम का स्कोर लडने लायक पहुंचा दिया। स्मिथ हालांकि 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर बाउंड्री लगाने की कोशिश में अपना विकेट गंवा बैठे। शाहबाज अहमद ने बाउंड्री पर स्मिथ का बेहतरीन कैच पकड़ा। राजस्थान की पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने 25 गेंदों में एक चौके तथा एक छक्के की मदद से 24, राहुल तेवतिया ने 11 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 19 रन बनाए जबकि जोर्फा आर्चर दो रन बनाकर राजस्थान की पारी की अंतिम गेंद पर आउट हुए। बेंगलुरु की ओर से क्रिस मोरिस सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर चार विकेट और युजवेंद्र चहल ने चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए।

ब्रावो आखिरी ओवर डालने के लिए फिट नहीं थे: धोनी

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आखिरी ओवर ड्वेन ब्रावो की जगह रवींद्र जडेजा से कराने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि ब्रावो आखिरी ओवर डालने के लिए फिट नहीं थे। चेन्नई ने फॉफ डू प्लेसिस (58) और अंबाटी रायुडू (नाबाद 45) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 179 रन बनाए थे जिसके जवाब में दिल्ली ने शिखर धवन के नाबाद 101 रन की पारी की मदद से मैच पांच विकेट से जीता। दिल्ली को आखिरी ओवर में जीत के लिए 17 रन की जरुरत थी और धोनी ने जडेजा को गेंद करने के लिए भेजा। धोनी ने कहा, ब्रावो आखिरी ओवर फेंकने के लिए फिट नहीं थे और मैदान से जाने के बाद वापसी नहीं कर पा रहे थे, इसलिए हमने जडेजा को गेंदबाजी के लिए भेजा। हमारे पास कर्ण शर्मा और जडेजा ही विकल्प थे तो मैंने जडेजा को चुना। शायद यह काफी नहीं था। शिखर का विकेट बहुत महत्वपूर्ण था और हमने उन्हें आउट करने के कुछ मौके गंवाए। वह ऐसे खिलाड़ी हैं कि अगर वह क्रीज पर रहते हैं तो स्कोर बोर्ड को बढ़ा देते हैं। शिखर मौके को भुनाते हैं और स्ट्राइक रेट को बरकरार रखते हैं। उन्होंने कहा, मेरे ख्याल से पिच नाजुक थी और पहले तथा दूसरी पारी में बदलाव आया था। पिच दूसरी पारी में काफी बेहतर हो गयी थी और यह बल्लेबाजों को फायदा दे रही थी। लेकिन हमें जीत का श्रेय शिखर को देना होगा। उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और अन्य बल्लेबाजों ने भी उनका साथ दिया। कप्तान ने कहा, मैदान में कुछ खास ओस नहीं थी जिससे पहली और दूसरी पारी में बदलाव आया। पहली पारी में रन बनाना थोड़ा मुश्किल भरा था लेकिन दूसरी पारी के मध्य ओवरों में रन बनाना आसान हो गया। इससे हम 10 रन पीछे रह गए और हमें दूसरी पारी में उन्हें 10 रन कम पर रोकना था।

जब विपक्षी टीम ऐसी बल्लेबाजी कर रही हो तो उन्हें रोकना आसान नहीं होता।

श्रीकांत डेनमार्क ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारे, भारतीय चुनौती समाप्त

नई दिल्ली एजेंसी। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत शुक्रवार को मेन्स सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन से हारकर डेनमार्क ओपन से बाहर हो गए। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी चोऊ टिएन चेन ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए अगले दो गेम अपने नाम कर जीत हासिल की। उन्होंने एक घंटा और दो मिनट तक चले मैच में श्रीकांत को 20-22 21-13 21-16 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।पांचवें वरीय श्रीकांत की जीत से भारत का 7,50,000 डॉलर इनामी राशि के सुपर 750 टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। कोविड-19 महामारी के कारण बैडमिंटन टूर्नामेंट में सिर्फ इसी विश्व टूर टूर्नामेंट का आयोजन हो पाएगा। श्रीकांत ने पहले गेम में 7-4 से बढ़त बना ली थी लेकिन चेन ने वापसी की और 11-10 से आगे हो गए। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 19-19 की बराबरी पर आ गया। फिर श्रीकांत ने इसे 20-20 कर 22-20 से 1-0 की बढ़त बना ली।लेकिन दूसरे गेम में चेन ने दबदबा बनाया और 10-9 की बढ़त से 21-13 से इसे अपने नाम कर 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। निर्णायक गेम में श्रीकांत ने शुरू में कुछ जुझारूपन दिखाया।

दोबारा मां बनना चाहती हैं माही विज

टीवी के पॉप्युलर कपल्स में से एक माही विज और जय भानुशाली अगस्त 2019 में एक प्यारी सी बेटी के पैरंट्स बने थे। उन्होंने दो और बच्चे गोद लिए हुए हैं। लेकिन माही विज अपनी इस फैमिली को और बढ़ाना चाहती हैं। वह दोबारा मां बनना चाहती हैं। पर शायद जय भानुशाली ऐसा नहीं चाहते। लेकिन माही विज भी कहां हार मानने वाली थीं। इस मामले में माही ने फैन्स की मदद मांगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कह रही हैं, दोस्तों जय के अकाउंट पर जाओ और कॉमेंट्स सेक्शन में लिखो कि मुझे (माही विज) को दूसरा बेबी चाहिए। वह दूसरे बेबी के लिए मना कर रहे हैं। लॉकडाउन में मैं बोर हो गई हूं। मुझे दूसरा बच्चा चाहिए। तारा बड़ी हो गई है और अब वह मेरी बात नहीं सुनती। जय भानुशाली और माही विज की सितबंर 2010 में शादी हुई थी। उसके कुछ साल बाद उन्होंने दो बच्चे-खुशी और राजवीर को गोद लिया था। वहीं उनकी नन्ही बिटिया तारा भी 1 साल की हो गई है। माही और जय अकसर तारा की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते रहते हैं।

सोना महापात्रा से ट्रोल ने कहा- फेमिनिस्ट क्यों दिखाती हैं क्लीवेज, मिला जोरदार जवाब

सोना महापात्रा सिर्फ अपनी सिंगिंग के लिए ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया बेबाक होकर बात रखने के लिए भी जानी जाती हैं। ट्रोल करने वालों को वह पहले भी कई बार मुंहतोड़ जवाब दे चुकी हैं। रीसेंटली उन्होंने फिर से एक ट्रोल की बोलती बंद कर दी। ट्रोल ने कहा- लगता है बॉली गैंग की शिकार हैं
सोशल मीडिया ने सिलेब्स और आम लोगों के बीच की दूरी कम कर दी है। इसके कुछ नुकसान भी हैं। सिलेब्रिटीज को अक्सर ट्रोल्स का निशाना बनना पड़ता है। रीसेंटली सोना महापात्रा को एक ट्विटर यूजर ने लिखा, सारी फेमनिस्ट को पुरुषों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए %क्लीवेज% दिखाने की जरूरत क्यों पड़ती है... और आपके कुछ इंटरव्यू देखने के बाद ऐसा लगता है कि आप बॉली गैंग की शिकार हैं लेकिन फिर आप उनके गैंग में घुसने के लिए उन्हें रिझाने की कोशिश करती हैं... कितना विरोधाभास है। रिझाने की कोशिश करने वाली फेमिनिस्ट को तो छोड़िए, मेरी सलाह है कि आप किसी से बात करने से पहले अपने दिमाग के कई सारे क्लीवेज का ट्रीटमेंट करवा लें। सोना ने क्लीवेज शब्द का अर्थ भी बताया है,

मानुषी छिल्लर एसएस राजमौली संग करना चाहती हैं काम

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर बॉलिवुड में कदम रखने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। मानुषी छिल्लर का कहना है कि वह डायरेक्टर एसएस राजमौली के फिल्मों की बहुत बड़ी फैन रही हैं और वह अकसर उनकी फिल्में देखा करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एक दिन एसएस राजमौली का ध्यान मेरे काम पर जाएगा और उन्हें उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। मानुषी छिल्लर ने कहा, राजमौली सर हमारे समय के सबसे उत्कृष्ट फिल्मकारों में से एक हैं और मैं उनके काम की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने भारतीय सिनेमा को हमेशा याद रखी जाने वाली कुछ बेहतरीन फिल्में दी हैं। बाहुबली और मगधीर मेरी उनकी पसंदीदा फिल्मों में से हैं और मैं उन्हें बार-बार देख सकती हूं।' मानुषी छिल्लर ने आगे कहा, बाहुबली मेरे लिए एक ऐसा अनुभव था, जिसने मुझे इन बड़ी, भव्य, काल्पनिक परियोजनाओं का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया, जो राष्ट्र का मनोरंजन करती हैं। मैं केवल इच्छा कर सकती हूं और आशा करती हूं कि मैं वास्तव में लगातार मेहनत करूं ताकि मैं भविष्य में ऐसी परियोजनाओं का हिस्सा बनने के लिए सक्षम रहूं। मानुषी छिल्लर अक्षय कुमार की फिल्म पृथ्वीराज' से अपना डेब्यू करेंगी। चंद्रप्रकाश द्विवेदी के डायरेक्शन में बनी रही यह फिल्म राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित है। इसमें अक्षय कुमार पृथ्वीराज चौहान की भूमिका में और मानुषी छिल्लर संयोगिता की भूमिका में दिखाई देंगी। इसके अलावा मानुषी एक और फिल्म में विकी कौशल के साथ नजर आएंगी।

डांसर के ईमेज से दूर जाने की कोशिश नहीं कर रहा - राघव जुयाल

अभिनेता-डांसर और टीवी होस्ट राघव जुयाल का कहना है कि वह सोच समझकर अपनी डांसर वाली छवि से दूर नहीं जा रहे हैं। राघव ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह वेब सीरीज अभय 2 में मुख्य किरदार निभा रहे हैं। साल 2003 में डांस बेस्ड शो डांस इंडिया डांस 3 पर अपनी परफॉर्मेंस के चलते मशहूर हुए राघव कई ऐसी फिल्मों में भी नजर आए, जिनका कॉन्सेप्ट डांस रहा है जैसे कि एबीसीडी 2 और स्ट्रीट डांसर 3डी।
डांसिंग से लेकर अब एक्टिंग, क्या राघव अपनी छवि को बदलने की कोशिश कर रहे हैं? इस पर उन्होंने आईएएनएस को बताया, ऐसा नहीं है। मैं एक परफॉर्मर हूं। किशोर कुमार भी गाते थे और एक्टिंग भी करते थे। डांस में आप अपनी बॉडी का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं और भावनाओं को चेहरे के भावों से व्यक्त करते हैं। अभिनय में आप भावनाओं से खेलते हैं, डांस के साथ भी कुछ ऐसा ही है। ये दोनों एक-दूसरे से काफी मिलते-जुलते हैं क्योंकि दोनों ही चीजों में आपको भावनाओं के साथ खेलना पड़ता है।
अभिनय में उनका कैसे आना हुआ? राघव ने इसके जवाब में कहा, किसी एक समय में कुछ भावों को जाग्रत करना काफी मुश्किल हो जाता है। इसे सीखने के लिए मैंने तीन साल तक ट्रेनिंग ली है क्योंकि मुझे अपने भाव पसंद ही नहीं आ रहे थे और फिल्म नवाबजादे (2018) में मुझे अपना काम बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। इन सबके मद्देनजर मेरे दिमाग में एकाएक कुछ आया और मैंने डांसिंग में अपना अधिक प्रयास डाला और इसके लिए मैंने हर रोज 13-13 घंटे तक प्रैक्टिस किया।
राघव ने आगे बताया, मैंने महसूस किया कि मुझे अभिनय में भी प्रशिक्षण की जरूरत है इसलिए मैंने इस पर भी ट्रेनिंग लेना शुरू किया और ऑडिशंस दिए और फिर सारी चीजें हुईं।

अपनी बायॉपिक पर क्या बोले सोनू सूद? कौन निभाएगा किरदार?

कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन में प्रवासी मजदूरों को मुफ्त में उनके घर भेजने का इंतजाम करने के कारण सोनू सूद की हर तरफ बहुत तारीफ हुई थी। हालांकि इसके बाद भी सोनू सूद ने लोगों की मदद करना बंद नहीं किया है। सोशल मीडिया पर जो भी व्यक्ति सोनू से मदद मांगता है तो वह तुरंत इसके लिए तैयार रहते हैं। अब खबरें आ रही हैं कि जल्द ही सोनू सूद की बायॉपिक भी बनाई जा सकती है। हालांकि अपनी बायॉपिक पर सोनू के अलग ही विचार हैं। स्पॉटबॉय से बात करते सोनू ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता है कि उनकी बायॉपिक बनाई जानी चाहिए। सोनू ने कहा कि यह बहुत जल्दबाजी होगी कि उनकी जिंदगी पर फिल्म बना दी जाए। उन्होंने कहा कि अभी उन्हें जिंदगी में बहुत से लक्ष्य पाने हैं। हालांकि उन्होंने यह बात मानी है कि कुछ प्रड्यूसर्स ने उनसे बायॉपिक के लिए संपर्क किया है। जब सोनू से यह पूछा गया कि अगर उनकी बायॉपिक बनती है तो उनका किरदार कौन निभाएगा, तो इसके जवाब में सोनू ने कहा कि वह खुद ही अपना किरदार निभाना पसंद करेंगे। सोनू ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने यह अधिकार खुद कमाया है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी बायॉपिक केवल इसी शर्त पर बनेगी कि वह अपना किरदार खुद निभाएंगे।

प्रीति जिंटा के साथ दोबारा काम कर मुझे खुशी होगी बॉबी देओल

अभिनेता बॉबी देओल का कहना है कि वह बड़े पर्दे पर पूर्व सह-कलाकार प्रीति जिंटा के साथ फिर से काम करना पसंद करेंगे। दोनों ने सोल्जर, झूम बराबर झूम और हीरोज जैसी फिल्मों में साथ काम किया था और बॉबी को उनके साथ फिर से स्क्रीन स्पेस साझा करना अच्छा लगेगा।
बॉबी ने कहा, मैं प्रीति के साथ काम करना पसंद करूंगा। वह सिर्फ एक दोस्त से बढ़कर हैं और सिर्फ सह-कलाकार नहीं है। उनके पास अद्भुत ऊर्जा और आकर्षण है। काश मुझे कुछ ऐसा करने का मौका मिले जो हमारी उम्र के अनुकूल हो, और मुझे यकीन है कि भविष्य में हमें वह अवसर मिलेगा।
अभिनेता (51) ने हाल ही में बॉलीवुड में 25 साल पूरे किए हैं।
अपने डेब्यू फिल्म बरसात को लेकर बॉबी ने कहा, उन दिनों जब भी कोई स्टारकिड स्क्रीन पर आता था, तब उनकी पहली फिल्म उनकी प्रतिभा के प्रदर्शन की तरह होती थी। इसलिए जब बरसात लिखी जा रही थी, तो इसके माध्यम से मेरे किरदार के लिए एक्शन, डांस, रोमांस और इमोशन को प्रदर्शित करने में सक्षम करने के लिए ध्यान रखा गया था। इस तरह इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए कहानी को लिखा गया। विषय तैयार होने में कुछ समय लगा, क्योंकि सही विषय पाना आसान नहीं होता है।
नब्बे के दशक में वह दर्शकों के क्रश थे, खासकर अपने घुंघराले लंबे बालों के कारण उन्हें बहुत किया गया था।
उन्होंने कहा, मुझे हमेशा लंबे बाल पसंद थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह दर्शकों पर ऐसा असर डालेंगे। ऐसे बहुत से कलाकार हैं जिनके बाल लंबे थे, लेकिन किसी कारण बॉबी देओल अभी भी अपने लंबे बालों के लिए जाने जाते हैं और यहां तक कि आज तक, मेरे प्रशंसक मुझसे पूछते हैं कि तुम अपने बाल क्यों नहीं बढ़ाते? मैं कहता हूं समय अब अलग हैं। इसके अलावा, जब आप अलग-अलग किरदार निभाना चाहते हैं तो लंबे बाल आपकी मदद नहीं करते हैं। छोटे बाल किसी भी चरित्र में फिट हो सकते हैं।

जब बिग बी और गोविंदा के साथ लंच साझा करती थी रवीना

डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को 22 साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री रवीना टंडन ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव को याद करते हुए दिलचस्प किस्सा साझा किया।
साल 1998 में आई फिल्म में अमिताभ बच्चन और गोविंदा ने डबल रोल में नजर आए थे। रवीना ने गोविंदा की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी, जबकि अमिताभ के साथ राम्या कृष्णन की जोड़ी बनाई गई थी। रवीना ने कहा, यह बहुत ही खास फिल्म है। हमने शूटिंग के दौरान खूब मौज-मस्ती किया था। मुझे लगता है कि यह मेरे समय के सभी सबसे प्रतिष्ठित पात्रों में से एक है और प्रशंसकों ने मुझे बड़े पर्दे पर गोविंदा और अमित जी के साथ देखना पसंद किया। वास्तव में ऐसा लग ही नहीं रहा है कि 22 साल पूरे हो गए हैं और बड़े मियां छोटे मियां का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। उन्होंने सेट से अपनी पसंदीदा याद भी साझा की।
उन्होंने कहा, बहुत सारी (यादें) हैं, लेकिन मुझे सबसे प्यारी चीज यह लगती थी कि हम कैसे वक्त बिताते थे। गोविंदा और अमित जी बहुत ही अद्भुत सह-कलाकार हैं। फिल्म की शूटिंग में बहुत मजा आया। मुझे याद है कि हम दोपहर के भोजन के दौरान भोजन कैसे साझा करते थे। ये यादें हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगी। रवीना जल्द ही केजीएफ- चैप्टर 2 में रामिका सेन की भूमिका में दिखाई देंगी।

आदिपुरुष में प्रभास और सैफ अली खान के बाद हुई अजय देवगन की एंट्री

फिल्म डायरेक्टर ओम राउत इन दिनों अपनी अगली फिल्म आदिपुरुष की तैयारी में लगे हुए हैं। अब इस फिल्म को लेकर खबर आ रही हैं कि एपिक ड्रामा 3डी ऐक्शन फिल्म में अजय देवगन का नाम भी जुड़ गया है। हाल ही में मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म आदिपुरुष में सैफ अली खान लंकेश यानी रावण का रोल करेंगे। अब खबर है कि फिल्म में अजय देवगन भगवान शिव का किरदार निभाएंगे। फिलहाल, इस बारे में मेकर्स ने कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी है। ओम राउत ने कन्फर्म किया था कि फिल्म आदिपुरुष में प्रभास भगवान राम का किरदार निभाएंगे। भले ही फिल्म में प्रभास तो मेन रोल निभा ही रहे हैं लेकिन सभी की नजर तो सैफ अली खान और अजय देवगन की जोड़ी पर होंगी। दरअसल, फिल्म तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर में दोनों की जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस समय फिल्म आदिपुरुष के प्री प्रॉडक्शन का काम चल रहा है। फिल्म की शूटिंग 2021 से शुरू की जाएगी और इसे 2022 में रिलीज करने की उम्मीद जताई जा रही है। फिल्म हिंदी, तेलुगू सहित कई भाषाओं शूट की जाएगी, जबकि तमिल, मलयालम और कन्नड़ सहित अन्तरराष्ट्रीय भाषाओ में डब भी की जाएगी।

मीरजापुर ने मेरी प्यारी लड़की की छवि को तोड़ा श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा को लगता है कि लोकप्रिय क्राइम थ्रिलर वेब शो मिजार्पुर ने उनकी प्यारी लड़की की छवि को तोड़ दिया है। उन्होंने कहा, मिजार्पुर करने का मेरा मुख्य कारण यह था कि मैं एक प्यारी हीरोइन से ज्यादा विश्वसनीय कलाकार के रूप में देखी जाना चाहती थी। ऐसे में कहानी की दुनिया और किरदार ने मुझे इस शो के लिए आकर्षित किया। हरामखोर में प्यारी किशोरी की भूमिका के बाद मैं इन युवा कहानियों के लिए एक जैसी बन गई। लेकिन एक कलाकार को सभी तरह की चीजें करने में सक्षम होना चाहिए। मैंने सचेत रूप से उन कहानियों और फिल्मों को करने का विकल्प बनाया, जहां मैं किसी नर्म भूमिका में नजर न आऊं। मिजार्पुर के सीजन 1 में वह गोलू गुप्ता की भूमिका में दिखी थी। वहीं शो के आगामी सीजन में वह एक सख्त लड़की के रूप में दिखाई देंगी। श्वेता ने कहा, लाखों में एक का सीजन 2 और मिजार्पुर दोनों ने मुझे कैसे बदला, ये मैंने गौर किया है। ये दोनों अलग-अलग आउटिंग थे और वे दोनों मेरे अलग-अलग शेड्स को हाइलाइट कर रहे थे। एक धर्मी था, दूसरा सकारात्मक था। इन परतों ने इन भूमिकाओं को दिलचस्प बना दिया और मैं बस खुश हूं कि चीजों ने मेरे लिए काम किया। अब मुझे ऐसी भूमिकाएं मिल रही हैं जो कहीं अधिक बहुमुखी और दिलचस्प हैं। पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित और गुरमीत सिंह और मिहिर देसाई द्वारा निर्देशित, मिजार्पुर सीजन 2 23 अक्टूबर से एमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

टीवी शो शादी मुबारक में रातों रात बदल दी गई लीड एक्ट्रेस, अब नजर आएगी रति पांडेय

टारप्लस पर प्रसारित होने वाला शो शादी मुबारक इन दिनों काफी चर्चा में है। इसी साल अगस्त महीने में रिलीज हुआ ये शो धीरे-धीरे दर्शकों के दिलों में जगह बना रहा है। वहीं इस शो पर एक्ट्रेस राजश्री ठाकुर और मानव गोहिल लीड रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं अब इस शो को लेकर चौंकाने वाली खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि अब इस शो में बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रातों-रात इस शो की लीड एक्ट्रेस को बदल दिया गया है। शादी मुबारक में इतना बड़ा बदलाव सिर्फ 2 महीनों के अंतर में ही आ गया है। एक रिपोर्ट की मानें तो इतने समय में ही शो की लीड एक्ट्रेस यानी राजश्री ठाकुर ने इसे छोडने़ का फैसला कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस शो पर राजश्री की रिप्लेसमेंट का इंतजाम भी रातों-रात ही कर लिया गया है। इस रिपोर्ट की मानें तो शो पर राजश्री ठाकुर की जगह एक्ट्रेस रति पांडेय लेने वाली हैं। इस रिपोर्ट में राजश्री ठाकुर से इस मामले पर बात भी की। जिसमें राजश्री ने बताया कि वो इतनी जल्दी शो क्यों छोड़ रही हैं। सूत्रों की मानें तो राजश्री और मेकर्स के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई, वहीं दूसरी तरह राजश्री कुछ और ही कह रही हैं। उन्होंने बताया, इसका शो से कुछ लेना-देना नहीं है। मैं इससे खुश थी। बस कुछ चीजें मेरे लिए सही नहीं थीं क्योंकि ये बहुत ज्यादा काम हो रहा था। मेरी सेहत पर बुरा असर पड़ा रहा था। अगर आप कहीं पर हैं, तो वहां 100 प्रतिशत देना बहुत जरूरी है जो मेरे लिए संभव नहीं हो रहा था। उन्होंने मेरे फैसले का सम्मान किया और ये मेरे और प्रोडक्शन हाउस के बीच सौहार्दपूर्ण फैसला है। इसके अलावा इस शो पर रति पांडेय द्वारा राजश्री ठाकुर को रिप्लेस करने की खबरों के बीच उनका कहना है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।